सतना

30 अप्रैल 2025 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

शाहिद अफरीदी को...

@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

चुनाव में जीत के बाद ट्रंप पर जमकर बरसे कनाडा के पीएम कार्नी

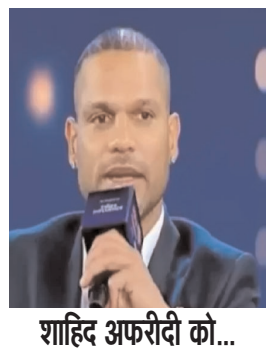

टोरंटो (एजेंसी)। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने चुनाव में लिबरल पार्टी की जीत के बाद अपने संबोधन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप निशाना साधा है। कार्नी ने आरोप लगाते हुए कहा कि ट्रंप उनके देश के लोगों को तोड़ना चाहते हैं। ट्रंप की कनाडा के अमेरिका में विलय की धमकियों और ट्रेड वॉर ने लिबरल पार्टी की इस जीत में अहम भूमिका निभाई है। कार्नी ने ओटावा में अपने विजय संबोधन में समर्थकों को संबोधित करते हुए अमेरिका की धमकियों के

आगे कनाडा की एकता पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से कनाडा और अमेरिका के बीच जारी पारस्परिक रूप से लाभकारी प्रणाली समाप्त हो गई है। उन्होंने कहा, ''हम अमेरिकी विश्वासघात के सदमे से उबर चुके हैं, लेकिन हमें उससे मिले सबक कभी नहीं भूलने चाहिए।'' कार्नी ने कहा, ''जैसा कि मैं महीनों से आगाह कर रहा हूं कि अमेरिका हमारी जमीन, हमारे संसाधन, हमारा पानी, हमारा देश चाहता है। उन्होंने कहा, ''ये बेकार की धमकियां नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रंप हमें तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं ताकि अमेरिका हम पर कब्जा कर सके। ऐसा कभी नहीं होगा, कभी नहीं होगा। लेकिन, हमें इस वास्तविकता को भी पहचानना होगा कि हमारी दुनिया मूल रूप से बदल गई है।''

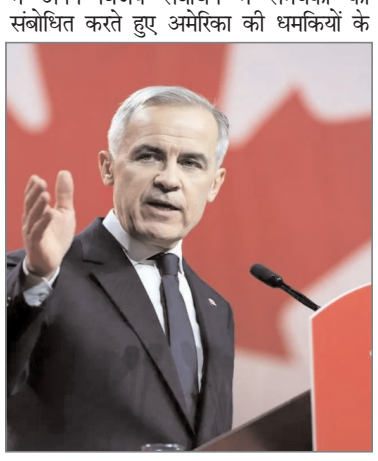

पाक सांसद ने कहा- भारत पर 1-2 मिसाइल गिरा देनी चाहिए

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान को युद्ध की बहुत जल्दी है। भारत की तरफ से अब तक ना किसी युद्ध की बात अधिकारिक तौर पर कही गई है ना ही इसका कहीं कोई जिक्र किया गया है लेकिन पाकिस्तान मर-मिट जाने से नीचे बात नहीं कर रहा। भारत पहलगाम का बदला कैसे लेगा, कब लेगा, कहां लेगा और कितना लेगा इसका प्लान लगभग तैयार हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इशारा जैसे ही मिलेगा,

एक्शन मोड ऑन हो जाएगा। इसी एक्शन मोड को ऑन करने के लिए कल मोदी कैबिनेट की एक बहुत अहम बैठक होने जा रही है। पहलगाम अटैक के बाद ये पहली कैबिनेट मीटिंग है। कल दोपहर 11 बजे होने वाली इस कैबिनेट मीटिंग में माना जा रहा है कि कोई बड़ा फैसला लिया जा सकता है। मोदी कैबिनेट की इस बैठक होने में अभी एक दिन का वक्त बचा है लेकिन पाकिस्तान उससे पहले ही खौफ में है। पाकिस्तान में प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से लेकर एक-एक मंत्री चैनलों पर जा-जाकर बस युद्ध की बात कर रहे हैं और गीदड़भभकी दे रहे हैं। कभी दरिया में खून बहाने का बयान तो कभी वह न्यूक्लियर अटैक की बातें कर रहे हैं। रेल मंत्री बम-बारूद की बात कर रहे हैं। सूचना मंत्री अफवाह फैला रहे हैं, विदेश मंत्री डिप्लोमेसी छोड़कर बाकी सब कर रहे हैं और रक्षा मंत्री चैनलों पर जा-जाकर इंटरव्यू देने में व्यस्त हैं। बता दें कि पाकिस्तान संसद में इस वक्त पहलगाम हमले के बाद के हालात पर चर्चा हो रही है। इस बीच पाकिस्तान के एक और सांसद नासिर महमूद ने गीदड़भभकी दी है कि अब भारत में एक दो मिसाइल चलाने का वक्त आ गया है। महमूद ने कहा, %%भारत को जवाब मिलेगा।

दिल्ली में होगी झमाझम बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में अगले कुछ दिनों में गर्मी से राहत मिलने की संभावना जताई जा रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (ढ्ढरूष्ठ) के अनुसार, आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने, बारिश और आंधी आने के कारण दिल्लीवासियों को गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है। विभाग ने यह भी कहा कि सोमवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 40.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो सामान्य से 1.4 डिग्री अधिक था। मौसम के साप्ताहिक पूर्वानुमान के अनुसार, बुधवार तक दिल्ली में आंशिक रूप से बादल रह सकते हैं और शाम के समय हल्की बारिश एवं गरज के साथ छींटे पड़ने का अनुमान है। गुरुवार और शुक्रवार को गरज के साथ बारिश का अनुमान है, जिससे तापमान में गिरावट हो सकती है। विभाग ने आगामी कुछ दिनों के लिए हवाओं की रफ्तार 15 से 20 किलोमीटर प्रति घंटे तक रहने की संभावना जताई है, जो मौसम में हल्की ठंडक ला कर सकती है। मौसम विभाग ने मंगलवार, शुक्रवार और शनिवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाओं के साथ हल्की बारिश की चेतावनी दी गई है। बता दें कि इस अलर्ट का अर्थ होता है कि लोग मौसम में बदलाव के लिए तैयार रहें। इस हफ्ते दिल्लीवासियों के लिए मौसम में बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। वहीं, सोमवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.6 डिग्री कम था।

पहलगाम हमले का होगा फैसला?

पीएम मोदी ने सेना को दी खुली छूट, बोले- कार्रवाई का टाइम और टारगेट तय करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने आज अपने आवास पर हाईलेवल मीटिंग की जिसमें रक्षामंत्री सीडीएस और तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ पीएम मोदी ने एक घंटे से ज़्यादा देरी तक चर्चा की। एनएसए अजित डोवल भी बैठक में मौजूद रहे। बैठक में पीएम मोदी ने सेना को खुली छूट दी है कि पाकिस्तान के खिलाफ वो जो चाहे फैसले ले सकती है। पीएम मोदी ने अचानक ये हाईलेवल मीटिंग बुलाई थी जिसमें देश की सुरक्षा से जुड़े सबसे बड़े अधिकारी मौजूद थे। इस मीटिंग में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे और उनके साथ चीफ़ ऑफ़ डिफ़ेंस स्टाफ़ मौजूद रहे। तीनों सेनाओं के अध्यक्ष भी थे। इस मीटिंग पर सबकी निगाहें टिकी थीं।

पीएम मोदी ने आज के हाईलेवल मीटिंग के बाद कहा कि मुझे अपनी सेना पर पूरा भरोसा है, पाकिस्तान को सेना अपने हिसाब से जवाब दे। पाकिस्तान पर फैसला लेने के लिए सेना आजाद है। पीएम मोदी ने देश की तीनों सेनाओं को खुली छूट दे दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद को करारा जवाब देना हमारा दृढ़ राष्ट्रीय संकल्प है। पीएम ने भारतीय सैन्य बलों की पेशेवर क्षमताओं में पूर्ण विश्वास व्यक्त किया और कहा कि हमारी जवाबी कार्रवाई का तरीका क्या हो, इसके टार्गेट्स कौनसे हों, और इसका समय क्या हो, इस प्रकार के ऑपरेशनल निर्णय लेने के लिए सैन्य बलों को खुली छूट है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद पीएम मोदी ने साफ लहजे में कहा था कि किसी भी हाल में आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पीएम मोदी सऊदी अरब की यात्रा पर थे जब पहलगाम में आतंकियों ने नापाक हरकत के अंजाम दिया और 26 निर्दोष पर्यटकों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस जघन्य अपराध को लेकर पूरे देश में आक्रोश देखा जा रहा है।

प्रेमिका के पिता ने गोली मारकर कर दी हत्या

इटावा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले से हत्या का हैरान कर देने वाला मामला सामने आ रहा है। इटावा के चौबिया थाना क्षेत्र अंतर्गत खेड़ा हेलू गांव में प्रेम संबंधों के चलते सोमवार देर रात एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या का आरोप प्रेमिका के पिता पर है, जिसे पुलिस ने मौके से ही गिरफ्तार कर लिया। इस घटना से गांव में सनसनी फैल गई है और पूरा गांव सन्नाटे में डूबा हुआ है। आइए जानते हैं इस खौफनाक वारदात के बारे में विस्तार से। जानकारी के अनुसार, औरैया जिले के अजीतमल क्षेत्र का निवासी 18 वर्षीय लवकुश पाल पिछले कुछ समय से अपने बहनोई गीतेंद्र पाल के घर खेड़ा हेलू गांव में रह रहा था। वहीं गांव के ही अनिल यादव की बेटी राखी से उसका प्रेम संबंध चल रहा था। बताया जा रहा है कि सोमवार रात करीब पौने 11 बजे लवकुश, राखी से मिलने के लिए उसके घर पहुंचा। रात के अंधेरे में जब लवकुश अनिल यादव के घर की दूसरी मंजिल पर चढ़ने की कोशिश कर रहा था, तभी अनिल यादव ने उसे देख लिया। पहले से सतर्क अनिल ने बिना देर किए लाइसेंसी हथियार से गोली चला दी, जो सीधे लवकुश को लगी। गोली लगते ही लवकुश ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। गोलियों की आवाज सुनते ही गांव में हड़कंप मच गया। सूचना पाकर चौबिया थाना प्रभारी विपिन कुमार मलिक पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और हत्या के आरोपी अनिल यादव को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा को मिली 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा

खतरे की थी आशंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दिल्ली पुलिस ने वीरेंद्र सचदेवा की सुरक्षा को लेकर खतरे की आशंका जताई थी। इसके बाद उनकी सुरक्षा 'वाई ' श्रेणी से बढ़ाकर 'जेड' श्रेणी कर दिया गया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने आकलन के बाद 26 अप्रैल को सचदेवा की सुरक्षा बढ़ाने का फैसला किया।

ऐसे में अब दिल्ली बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष को सुरक्षा प्रदान करने के लिए 20 से 22 सुरक्षा कर्मी तैनात किए जाएंगे, जिनमें 4 से 6 कमांडो और पुलिसकर्मी शामिल होंगे। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, हालांकि वे सुरक्षा बढ़ाने के विशिष्ट कारणों का खुलासा नहीं कर सकते, लेकिन खतरे का गहन आकलन करने के बाद यह निर्णय लिया गया है। अधिकारी ने यह भी जानकारी दी कि वीरेंद्र सचदेवा की सुरक्षा में शनिवार से बढ़ोतरी की गई थी। 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा में बढ़ोतरी के साथ अब उनके काफिले के साथ एक पायलट वाहन भी रहेगा, जो उनकी सुरक्षा को और भी मजबूत करेगा। पायलट वाहन का उद्देश्य नेता के काफिले की सुरक्षा में

सहायता करना होगा।

'जेड' श्रेणी की सुरक्षा प्रमुख व्यक्तियों जैसे- मंत्रियों, न्यायाधीशों और अन्य उच्च अधिकारियों को दी जाती है। इस श्रेणी में आमतौर पर 20 सुरक्षा कर्मी होते हैं। इनमें से कुछ क्यूआरटी या सुरक्षा विशेषज्ञ होते हैं जो आपातकालीन स्थिति में कार्रवाई करने के लिए तैयार रहते हैं। वहीं, %% श्रेणी की सुरक्षा में विशेष सुरक्षा वाहन होते हैं, जिनमें बुलेटप्रूफ कारें शामिल होती हैं। ये वाहन किसी भी हमले से बचाव के लिए डिजानइन किए गए होते हैं। इसमें अतिरिक्त सुरक्षा उपाय जैसे- हथियारों से लैस सुरक्षा गार्ड, सुरक्षा चेकपॉइंट्स और तकनीकी निगरानी भी होते हैं।

'नया भारत न झुकेगा, न टूटेगा'

कांग्रेस ने मोदी का नाम लिए बिना विवादित तस्वीर पोस्ट की, बीजेपी ने किया पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद एक तरफ भारत सरकार, पाकिस्तान के खिलाफ सख्त रुख अपना रही है तो दूसरी तरफ कांग्रेस, पीएम मोदी को ही घेरने में लगी है। कांग्रेस और बीजेपी के बीच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक नई बहस शुरू हो गई है। दरअसल कांग्रेस ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पीएम मोदी का नाम लिए बिना एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें पीएम मोदी का सिर गायब है। कांग्रेस ने इस तस्वीर के कैप्शन में लिखा है, जिम्मेदारी के समय गायब। कांग्रेस के इस पोस्ट से सियासी गलियारों में हड़कंप मच गया है और बीजेपी ने इस मुद्दे पर कांग्रेस पर पलटवार किया है।

बीजेपी ने अपने एक्स हैंडल पर कांग्रेस को जवाब देते हुए लिखा, कांग्रेस ने कट्टरपंथी सर तन से जुदा नारे को दुहराने के लिए बिना सिर वाला कुर्ता दिखाया है, जो मुस्लिम लीग 2.0 में इसकी निरंतर गिरावट को उजागर करता है। बीजेपी ने इसे विभाजनकारी, हताश और दिशाहीन बताया

है। बीजेपी ने कहा, पीएम मोदी ने जब वही भाषा बोली है जो पाकिस्तान समझता है, इस्लामाबाद के आधिकारिक हैंडल उसी तरह सिर काटने की बात दोहरा रहे हैं और अपने जिहादी पंथ को उजागर कर रहे हैं। पाकिस्तान और उसकी साथी कांग्रेस को जितनी धमकी देनी है, दें, नया भारत न झुकेगा, न टूटेगा। आतंक का जवाब गोलियों से दिया जाएगा, बिरयानी से नहीं। यह निर्णायक नेतृत्व का युग है।

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, कांग्रेस के वेरिफाइड ङ्ग हैंडल से एक तस्वीर पोस्ट की जाती है। इस तस्वीर के पोस्ट होने के बाद एक बहुत बड़ा सिग्नल शत्रु देश पाकिस्तान को दिया जाता है कि चिंता मत करो, भारत के अंदर मीर जाफर, तुम्हारे समर्थक उपस्थित हैं। सर तन से जुदा आज कांग्रेस की विचारधारा और चरित्र बन चुका है।

5 जून तक राम मंदिर का निर्माण हो जाएगा पूरा

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने कहा

अयोध्या (एजेंसी)। यूपी के अयोध्या स्थित राम मंदिर के निर्माण कार्य पूरा होने की फाइनल तारीख सामने आ गई है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा का कहना है, राम मंदिर का निर्माण इस साल 5 जून तक पूरा हो जाएगा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने कहा, इस साल 5 जून तक राम मंदिर निर्माण पूरा हो जाएगा। मंदिर परिसर में महर्षि वाल्मीकि, श्री वशिष्ठ जी, अहिल्या जी, निषादराज महाराज, शबरी माता और अगस्त्य मुनि के मंदिर भी 5 जून के बाद आम जनता के लिए खुल जाएंगे।

उन्होंने कहा, मंदिर के परकोटे पर बने राम दरबार और छह मंदिरों की पूजा 5 जून को होगी। चंपत राय 5 जून के लिए विस्तृत कार्यक्रम की घोषणा करेंगे। राम मंदिर के निर्माण के पूरा होने के दिन यानी 5 जून के एक-दो दिन बाद श्रद्धालु

परिसर में स्थित सभी अलग-अलग मंदिरों में दर्शन के लिए जा सकेंगे।

राम मंदिर निर्माण के दौरान आने वाली चुनौतियों पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा कहते हैं, टीमवर्क ने हमें सभी चुनौतियों का समाधान दिया है। हम हर दिन चुनौतियों का सामना करते हैं और उनका समाधान ढूंढते हैं। मैं न्यास को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने आर्थिक बाधाओं को आड़े नहीं आने दिया। इंजीनियरिंग और डिजाइन एक चुनौती थी, क्योंकि हमसे एक ऐसा मंदिर बनाने की उम्मीद की जा रही थी जो अगले 1000 सालों तक किसी भी तरह की आपदा का सामना कर सके।

गौरतलब है कि अयोध्या स्थित राम मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। यहां लाखों की संख्या में भक्त, रामलला के दर्शन के लिए आते हैं। अयोध्या स्थित राम मंदिर का उद्घाटन 22 जनवरी 2024 को हुआ था। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया, जिन्होंने रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लिया था। पहली पूजा उसी दिन, 22 जनवरी 2024 को प्राण प्रतिष्ठा के बाद हुई, जिसमें महापूजा और महाआरती का आयोजन किया गया।

स्कूटी सवार युवती के सिर पर चढ़ा ट्रक, हो गई दर्दनाक मौत

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में सोमवार दोपहर एक 18 वर्षीय युवती ट्रक के पहिये के नीचे आ गई जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद चालक भाग गया था लेकिन सीसीटीवी के आधार पर बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। ट्रक चालक को लापरवाही से मौत का कारण बनने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है, क्योंकि वह जिस वाहन को चला रहा था, उसने 18 वर्षीय युवती को कुचल दिया। इस घटना का दर्दनाक वीडियो भी सामने आया है। मृतक युवती सिया छाजेड़ अपनी सहेली दिनिका बाफना के साथ 28

अप्रैल को दोपहर को सीपी टैंक सर्कल के पास पीछे बैठी थी, तभी यह दुर्घटना हुई। युवती की मौत से इलाके में शोक और सदमे का माहौल है। सिया दक्षिण मुंबई के खेतवाड़ी इलाके में जरीवाला बिल्डिंग-1 की निवासी थी और दुर्घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। स्कूटर सवार महिला तुरंत सड़क से उठी और सिया को उठाकर अस्पताल ले जाने की कोशिश की अपने हाथों में लिया, लेकिन उसकी जान नहीं बच पाई। सिया को पहले सैफी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया और बाद में पोस्टमार्टम के लिए जे.जे. अस्पताल भेज दिया गया।

देश के अगले सीजेई होंगे जस्टिस बीआर गवई, राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जस्टिस बी.आर. गवई को भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में मंजूरी दे दी है। जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई (बीआर गवई) 14 मई, 2025 को

● गवई को भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश होंगे

भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेंगे। बता दें कि इससे पहले वर्तमान चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया संजीव खन्ना ने उनके नाम की सिफारिश की थी। सीजेआई संजीव खन्ना का कार्यकाल 13 मई को खत्म हो रहा है।

कब होंगे रिटायर? बीआर गवई पद संभालने के 6 महीने बाद तक सीजेआई रहेंगे और नवंबर 2025 में रिटायर होंगे। जस्टिस बीआर गवई मूल रूप से महाराष्ट्र के अमरावती जिले के रहने वाले हैं। गवई के करियर के उल्लेखनीय फैसलों में जम्मू कश्मीर के अनुच्छेद 370 को हटाना और इसे दो केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजित करना शामिल हैं।

देश के दूसरे दलित सीजेई होंगे गवई: बीआर गवई जस्टिस केजी बालकृष्ण के बाद दूसरे मुख्य न्यायाधीश होंगे, जो दलित समुदाय से आते हैं, जिन्होंने साल 2007 से 2010 तक मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया था। 64 वर्षीय जस्टिस बीआर गवई नवंबर 2025 में रिटायर होंगे। मुख्य न्यायाधीश के रूप में उनका कार्यकाल 14 मई 2025 से 24 नवंबर 2025 तक रहेगा।

जानें बीआर गवई के बारे में: 24 नवंबर 1960 को अमरावती में जन्में बीआर गवई वरिष्ठ सांसद स्वर्गीय रामकृष्ण गवई के बेटे हैं। जस्टिस गवई के पिता जस्टिस रामकृष्ण सूर्यभान गवई रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के संस्थापक थे। वे महाराष्ट्र की राजनीति में सक्रिय थे और 1998 में ऋक्क्ष् के उम्मीदवार के रूप में अमरावती निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा के लिए चुने गए थे। उन्होंने 2006 से 2011 के बीच वह बिहार, सिक्किम और केरल के राज्यपाल के रूप में भी काम कर चुके हैं।

जस्टिस गवई 16 मार्च 1985 को बार में शामिल हुए थे। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार के लिए सरकारी वकील और फिर सरकारी अभियोजक के रूप में कार्य किया है। उन्हें 14 नवंबर, 2003 को बॉम्बे उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। 24 मई, 2019 को सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नत होने से पहले उन्होंने वहां 16 वर्षों तक सेवा की। जस्टिस गवई नवंबर में अपनी सेवानिवृत्ति से पहले लगभग छह महीने तक मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य करेंगे।

पीएम सूर्य घर मुत बिजली योजना से जुड़े 14100 उपभोक्ता

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि पश्चिम मप्र यानि मालवा निमाड़ में सूरज की किरणों से बिजली उत्पादन करने वालों की संख्या में सतत बढ़ोत्तरी हो रही है। अप्रैल के चौथे सप्ताह तक कुल 29000 स्थानों पर रूफ टॉप सोलर नेट मीटर यानि सौर ऊर्जा के माध्यम से मौजूदा बिजली उपभोक्ता बिजली उत्पादन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से 14100 उपभोक्ता जुड़े हैं। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने बताया कि सौर ऊर्जा को लेकर मालवा और निमाड़ के बिजली उपभोक्ताओं में व्यापक उत्साह बना हुआ हैं। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत तीन किलो वॉट तक के संयंत्र पर 78 हजार तक की सब्सिडी मिलने से सूरज की किरणों से बिजली तैयार करने वाले प्रत्येक जिलों में प्रति माह बढ़ते जा रहे हैं। इंदौर शहर सीमा में सबसे ज्यादा करीब 15700 उपभोक्ता बिजली तैयार कर रहे हैं। इसके बाद उज्जैन, रतलाम, देवास और खरगोन जिले में अपेक्षाकृत ज्यादा उपभोक्ता रूफ टॉप सोलर योजना से जुड़े हैं। अन्य जिलों में 100 से लेकर 300 उपभोक्ता सूरज की किरणों से बिजली तैयार कर रहे हैं। अब तक करीब 11300 उपभोक्ताओं को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 90 करोड़ रूपए से ज्यादा की सब्सिडी प्राप्त हो चुकी है।

बिजली चोरी के मामले में विशेष न्यायाधीश विद्युत अधिनियम द्वारा दो वर्ष सश्रम कारावास की सजा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्य क्षेत्र के मुरैना जिले के अम्बाह में विशेष न्यायाधीश विद्युत अधिनियम द्वारा बिजली चोरी के मामले में दोष सिद्ध होने पर आरोपी को 2 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा मुरैना वृत्त अंतर्गत पोरसा रोड अम्बाह में लगभग 19 वर्ष पूर्व 30 अप्रैल 2006 को कंपनी की चेकिंग टीम ने ओम शांति आईस फैक्ट्री एंड कोल्ड स्टोर में चेकिंग के दौरान अवैध रूप से एलटी लाइन से विद्युत चोरी पकड़ते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष परिवाद दायर किया गया था। परिवाद पर विशेष न्यायाधीश विद्युत अधिनियम अम्बाह जिला मुरैना श्री राजेन्द्र सिंह ठाकुर ने विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 (1) (क) के तहत दोष सिद्ध पाए जाने पर आरोपी श्री राजकुमार सिंह चौहान को दो वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। प्रकरण में ओम शांति आईस फैक्ट्री मालिक श्री राजपाल सिंह तोमर फरार है। कंपनी की ओर से प्रकरण में अधिवक्ता श्री संतोष पाराशर द्वारा पैरवी की गई। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने इस निर्णय के परिप्रेक्ष्य में सभी आम लोगों से आग्रह किया गया है कि वे वैध कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें। अनधिकृत या अवैध रूप से बिजली चोरी दण्डनीय अपराध है तथा इसमें जुर्माना और कारावास का भी प्रावधान है।

सिंहस्थ वर्ष 2028 के लिए संभाग स्तरीय समिति का गठन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य शासन ने सिंहस्थ वर्ष-2028 अंतर्गत आवश्यक अधोसंरचना की कार्ययोजना तैयार करने, इनके क्रियान्वयन की समीक्षा करने एवं मंत्रि-परिषद समिति द्वारा लिये गये निर्णयों का पालन सुनिश्चित करने के लिए %%संभाग स्तरीय समिति का गठन संभागीय आयुक्त,उज्जैन संभाग की अध्यक्षता में किया है । समिति में कलेक्टर, जिला उज्जैन सदस्य सचिव होंगे। मेला अधिकारी उज्जैन, इंदौर कलेक्टर, खण्डवा कलेक्टर, देवास कलेक्टर, संबंधित विभागों के संभागीय अधिकारीगण, आयुक्त नगर पालिका निगम उज्जैन, संयुक्त, संचालक, कोष एवं लेखा उज्जैन संभाग, मुख्य अभियंता लोक निर्माण, उज्जैन/इंदौर, मुख्य अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, इंदौर सदस्य होंगे।

पारिवारिक मूल्यों के सांस्कृतिक संवर्धन में, यह केंद्र बनेगा आदर्श एवं अभिप्रेरक- उच्च शिक्षा मंत्री परमार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने भोपाल स्थित सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय में विवाह एवं परिवार परामर्श केन्द्र की स्थापना के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। श्री परमार ने कहा कि महाविद्यालय का यह अभिनव प्रयास, भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करेगा और अन्य शैक्षणिक संस्थानों के लिए अभिप्रेरणा का आदर्श केंद्र बनेगा। मंत्री श्री परमार ने कहा कि परिवार, राष्ट्र की प्रथम इकाई है, परिवार से समाज और समाज से राष्ट्र का मौलिक सृजन होता है। राष्ट्र के सांस्कृतिक सृजन में, पारिवारिक मूल्यों एवं मौलिक संस्कारों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। विवाह संस्कार, सनातन के 16 संस्कारों में से एक महत्वपूर्ण संस्कार है। विवाह संस्कार के पालन एवं कुटुम्ब में सौहार्दपूर्ण समन्वय, वर्तमान परिदृश्य की आवश्यकता भी है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि यह केंद्र, पारिवारिक मूल्यों के सांस्कृतिक संवर्धन एवं संरक्षण में अपनी महती उपयोगिता सिद्ध करेगा।

भोपाल स्थित सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय में, सोमवार को जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष डॉ. भारती कुंभारे सातनकर एवं प्राचार्य डॉ. दीप्ति श्रीवास्तव ने विवाह एवं परिवार परामर्श केन्द्र का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं छात्राएं उपस्थित थीं। प्रकोष्ठ के माध्यम से अनुभवी मनोवैज्ञानिकों, समाजशास्त्रियों एवं मध्यस्थता करने वाले व्यवसायिक परामर्शदाताओं की परामर्श एवं काउन्सलिंग छात्राओं को उपलब्ध करायी जाएगी। प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. आलोक कुमार निगम एवं सह संयोजक डॉ. संजना शर्मा हैं। विवाह एवं परिवार के संदर्भ में छात्राओं के मध्य परामर्श सुविधा

उपलब्ध कराने के लिए, केन्द्र की स्थापना करने वाला यह महाविद्यालय, प्रदेश का प्रथम शासकीय महाविद्यालय है।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान परिदृश्य में पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव के कारण विवाह एवं परिवार संस्थाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

जहाँ एक ओर नारी सशक्तिकरण की ओर बढ़ रही है, वहीं उसे पारिवारिक समायोजन में विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में विवाह और परिवार जैसी महत्वपूर्ण संस्थाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है और ये बिखरती जा रही है। विवाह और परिवार जैसी महत्वपूर्ण संस्थाओं के विषय में महाविद्यालय की छात्राओं में जागरूकता लाने एवं नकारात्मक विचारों को हटाने के उद्देश्य से महाविद्यालय के समाजशास्त्र, समाजकार्य विभाग तथा मनोविज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वाधान में विवाह एवं परिवार परामर्श केन्द्र की स्थापना का अभिनव प्रयास किया गया है।

परिवार में सौहार्द्रता वृद्धि और मूल्यों के संवर्धन के उद्देश्य से, छात्राओं को बौद्धिक एवं मानसिक रूप से प्रबल करना इस प्रकल्प का ध्येय है। पारिवारिक सम्बन्धों को मजबूत करना, विवाह संबंधों को सुधारना, व्यक्तिगत एवं पारिवारिक विकास, सामाजिक एवं भावनात्मक समर्थन जैसे विविध मूल्य आधारित लक्ष्यों के साथ; यह केंद्र छात्राओं को जीवन में आने वाली चुनौतियों से सामना करने में सक्षम बनाने में सहयोगी बनेगा।

एकात्म धाम प्रकल्प के लिए संकल्पित हैं राज्य सरकार-राज्य मंत्री लोधी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में एकात्म धाम प्रकल्प के लिए मध्यप्रदेश सरकार संकल्पित है। आगामी वर्षों में एकात्म धाम का निर्माण कार्य पूर्ण होगा। यह बात संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने ओंकारेश्वर में एकात्म पर्व के भव्य शुभारंभ अवसर पर कही। राज्य मंत्री श्री लोधी ने कहा कि पहले चरण में जगतगुरू श्री आदि शंकराचार्य की 108 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की गई है। दूसरे चरण में जगतगुरू श्री आदि शंकराचार्य के जीवन दर्शन पर आधारित संग्रहालय और अद्वैत लोक का निर्माण कार्य किया जाएगा। तीसरे चरण में अद्वैत वेदांत दर्शन के अध्ययन, शोध एवं विस्तार के लिए आचार्य शंकर अंतर्राष्ट्रीय अद्वैत वेदांत संस्थान की स्थापना की जाएगी। यह अद्वैत वेदांत संस्थान का संदर्भ केंद्र होगा और अंतिम चरण में शंकर निलायम आवासीय परिसर का निर्माण किया जाएगा। राज्य मंत्री श्री लोधी ने जगतगुरू श्री आदि शंकराचार्य के पावन चरणों में और पुण्यभूमि ओंकारेश्वर को नमन किया। ओंकारेश्वर में माँ नर्मदा के पवित्र तट पर आज 5 दिवसीय एकात्म पर्व का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक अनुष्ठान और कलश यात्रा से हुई, जो पारंपरिक वाद्य यंत्रों और संकीर्तन के साथ ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग और गुफा मंदिर के दर्शन के लिए पहुंची और फिर अभय घाट पर संपन्न हुई। यात्रा के समापन के बाद मांधाता पर्वत स्थित एकात्म धाम में उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। समग्र दिवस में अनेक संतों का दिव्य संगम रहा, जिनमें स्वामी विवेकानंद पुरी, माँ पूर्णप्रज्ञा, स्वामी वेदत्वानंद पुरी, स्वामी योग प्रताप सरस्वती, स्वामिनी सद्विद्यानंद सरस्वती, स्वामी शैलेंद्र सरस्वती प्रमुख रहे। अद्वैतामृत- सत्र की श्रृंखला में 'ओंकार' विषय पर माँ पूर्णप्रज्ञा ने साधकों को संबोधित करते हुए कहा कि दार्शनिक सत्य की प्राप्ति के लिए गुरु की शरण अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से आदि शंकराचार्य ने सुदूर दक्षिण से ओंकार पर्वत तक की कठिन यात्रा की थी।

एम.पी. ट्रांसको ने सुदृढ़ की इंदौर शहर की विद्युत पारेषण व्यवस्था - ऊर्जा मंत्री तोमर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। एम.पी. ट्रांसको (म.प्र. पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी) ने इंदौर शहर में गर्मी के मौसम में बढ़ने वाली विद्युत मांग को ध्यान में रखते हुये, अपने 220 के.व्ही. सब-स्टेशन साउथ जोन में 50 एम.व्ही.ए. का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित कर उसे ऊर्जीकृत किया है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने बताया कि इस ट्रांसफार्मर को स्थापित करने की अनुमानित लागत 315 लाख रूपये है। यह कदम इंदौर में गर्मी के दौरान विद्युत आपूर्ति को अधिक सुदृढ़ और विश्वसनीय बनाने की दिशा में उठाया गया है। इस अतिरिक्त व्यवस्था से इंदौर शहर के लगभग 50 हजार विद्युत उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण और सतत् बिजली आपूर्ति संभव हो सकेगी। ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत होने से 220 के.व्ही. सब-स्टेशन साउथ जोन की कुल क्षमता बढ़कर 906 एम.व्ही.ए. की हो गई है। यह प्रदेश में इंदौर क्षेत्र के पीथमपुर सब-स्टेशन के साथ ऐसा दूसरा सब-स्टेशन है जहां 132/33 के.व्ही क्षमता के 5 पॉवर ट्रांसफार्मर क्रियाशील है। एम.पी. ट्रांसको की इस नई व्यवस्था से इंदौर के राजेन्द्र नगर, नवलखा, डेली कालेज, पीथमपुर, पागनीस पागा, राउ, सब्जी मंडी क्षेत्रों को लाभ होगा।पॉवर ट्रांसफार्मर के स्थापना के बाद इंदौर शहर की कुल ट्रांसफार्मेशन कैपेसिटी में भी बढोतरी हुई है, जो अब बढ़कर 3336 एम.व्ही.ए. की हो गई है। इंदौर शहर में एम.पी. ट्रांसको (मध्य प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी) अपने 400 के.व्ही. के एक सब-स्टेशन इंदौर, 220 के.व्ही. के तीन सब-स्टेशन साउथ जोन इंदौर, इंदौर ईस्ट बिचौली, मांगलिया तथा 132 के.व्ही. के आठ सबस्टेशन सत्यसांई, इलेक्ट्रिानिक्स कॉम्पलेक्स, निरंजनपुर, राउखेडी, महालक्ष्मी नगर जी.आई.एस, इंदौर पश्चिम, (नवदापंथ) तथा राऊ एकस्ट्रा हाईटेंशन सब-स्टेशनों के माध्यम से विद्युत पारेषण करती है। इनकी कुल क्षमता 3336 एम.व्ही.ए. की है।

मध्यप्रदेश में एम.पी. ट्रांसको (मध्य प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी) अपने 417 सब स्टेशनों के माध्यम से विद्युत पारेषण करती है। इस क्षमता वृद्धि से मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी की कुल ट्रांसफार्मेशन क्षमता बढ़कर 82011 एम.व्ही.ए. की हो गई है।

किसानों को आर्थिक रूप से समृद्धि करने सरकार प्रतिबद्ध-मंत्री राजपूत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। किसानों की आर्थिक उन्नति और आधुनिक खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कृषि यंत्रों की प्रदर्शनी, किसानों के नवाचार का सम्मान और मिलेट्स उत्पादन को बढ़ावा देने के संकल्प के साथ सागर में दो दिवसीय जिला स्तरीय मिलेट्स फूड फेस्टिवल सह कृषि मेला का शुभारंभ हुआ। प्रदेश के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने मेले का उद्घाटन कर किसानों से संवाद किया। कार्यक्रम में सांसद श्रीमती लता वानखेडे, विधायक शैलेंद्र जैन, जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं किसान शामिल हुए।

खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि अब तक समर्थन मूल्य पर उपार्जन किए गए अनाज का 118 करोड़ रुपये का भुगतान किसानों को किया जा चुका है। शेष भुगतान की प्रक्रिया भी तेजी से जारी है। किसानों को बारदाने की कमी न हो, इसके लिए विशेष पहल करते हुए सागर जिले के लिए दो स्पेशल ट्रेनें भेजी जा रही हैं। इससे उपार्जन में आ रही परेशानियों का समाधान होगा।

मंत्री श्री राजपूत ने किसानों से अपील की कि वे खेतों में नरवाई जलाने की प्रथा को बंद करें। इससे भूमि की उर्वरकता खत्म होती है और पर्यावरण भी प्रदूषित होता है। उन्होंने किसानों को सुपरसीडर और हैप्पीसीडर जैसे यंत्रों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया, जो नरवाई को भूसे में बदलकर खेत में मिलाते हैं। मंत्री स्वयं प्रदर्शनी में इन यंत्रों पर बैठे और किसानों से इन तकनीकों को अपनाने की अपील की।

मंत्री राजपूत ने कहा कि हमारे पूर्वज मोटे अनाज का सेवन कर स्वस्थ और दीर्घायु जीवन जीते थे। उन्होंने किसानों से मोटे अनाज (मिलेट्स) के उत्पादन और उपभोग को बढ़ाने का आग्रह किया।

कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग का हर 5 साल में दोगुना उत्पादन करने का है लक्ष्य-राज्यमंत्री जायसवाल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने कहा है कि विभाग का प्रत्येक 5 वर्ष में उत्पादन दोगुना करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। साथ ही विकसित भारत ञ्च 2047 तक इसे 16 गुना किए जाने का लक्ष्य है।

कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग लक्ष्य प्राप्त करने के लिए लोगों को प्रशिक्षण, नवीन उपकरणों का प्रदाय, नवीन इकाइयों एवं स्टार्ट-अप्स का संरक्षण एवं साधन उपलब्ध कराने का कार्य कर रहा है। राज्य के सकल घरेलू उत्पादन में विभाग का 135.37 करोड़ रुपए का योगदान है, जिसे वर्ष-2047 तक 2165.92 करोड़ किए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

राज्यमंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि वर्ष 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उत्पादन में वृद्धि के लिए नवीन इकाइयों का पंजीयन, नवीन विधाओं में प्रशिक्षण, निर्यात, नवीन डिजाइनों एवं रंगों का समावेश, उन्नत उपकरणों का प्रदाय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विक्रय प्रदर्शनियों का आयोजन एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नवीन विक्रय केंदो की स्थापना का सुझाव रखा गया है।

होम्योपैथी स्वास्थ्य कल्याण केंद्र में महिलाओं में मोटापे की समस्या के लिए विशेष उपचार की सुविधा उपलब्ध

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। शासकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, आयुष परिसर मैनिट हिल्स भोपाल में स्थित होम्योपैथी स्वास्थ्य कल्याण केंद्र में महिलाओं में होने वाले मोटापे के ऊपर विशेष उपचार उपलब्ध है। यह स्वास्थ्य कल्याण केंद्र इकाई केंद्रीय आयुष मंत्रालय के सहयोग एवं योग प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद के साथ मिलकर स्थापित की गई है।

होम्योपैथी स्वास्थ्य कल्याण केंद्र की नोडल अधिकारी डॉ जूही गुप्ता ने बताया कि वर्तमान परिदृश्य में महिलाओं में हार्मोन्स के बदलाव के कारण जीवन के विभिन्न पड़ावों में मोटापे की

समस्या, व्यापक एवं उग्र रूप धारण कर रही है। विशेषकर कामकाजी महिलाओं में यह समस्या नित नए स्वरूप लेती जा रही है और साथ में जोड़ों में दर्द, कार्य करने की अनिच्छा, घबराहट जैसे कई अन्य लक्षण भी उत्पन्न कर रही है। भविष्य में यह समस्या शरीर में गंभीर असंतुलन और बड़ी बीमारियों को जन्म देने का कारक बनती है।

केंद्रीय मंत्रालय के निर्देशानुसार होम्योपैथी विधा एवं प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से मोटापे की समस्या के संपूर्ण निदान के लिए उक्त स्वास्थ्य केंद्र में विशेषज्ञ उपचार की सुविधा उपलब्ध है। दवाओं के अतिरिक्त दिनचर्या, आहार, प्रत्याहार मालिश, हाइड्रोथेरेपी, वाष्प स्नान के माध्यम से उक्त विशेष उपचार कार्यक्रम को स्वरूप दिया गया है। इस विशेष उक्त उपचार की अवधि व्यक्ति विशेष की आवश्यकताओं एवं शारीरिक स्थिति के अनुसार निर्धारित की जाती है। इसके अनुसार प्रत्येक व्यक्ति की दवा एवं थेरेपी विशेष रूप से स्क्रिप्ट की जाएगी एवं योग के माध्यम से इन परिणामों को और प्रभावी बनाया जाएगा।

मध्यप्रदेश पहला राज्य जहाँ रियल-टाइम फॉरेस्ट अलर्ट सिस्टम लागू

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। एआई आधारित रियल-टाइम वन अलर्ट प्रणाली को लागू करने वाला देश का पहला राज्य मध्यप्रदेश बन गया है। प्रदेश में सक्रिय वन प्रबंधन की दिशा में यह ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। यह प्रणाली उपग्रह चित्रों, मोबाइल फीडबैक और मशीन लर्निंग की मदद से कार्य करती है, जो भूमि अतिक्रमण, भूमि उपयोग परिवर्तन और वन ह्रास का पता लगाकर वन विभाग को समय पर कार्रवाई के लिये सक्षम बनाती है। इस नवाचार की परिकल्पना वन मण्डलाधिकारी गुना श्री अक्षय राठौर द्वारा की गयी और इसे मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री असीम श्रीवास्तव एवं अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक आईटी श्री बी.एस. अणिगेरी के नेतृत्व और संस्थागत समर्थन से क्रियान्वित किया गया। गूगल अर्थ इंजन पर आधारित यह प्रणाली बहु-कालिक उपग्रह आंकड़ों का विश्लेषण करती है और कस्टम एआई मॉडल की मदद से भूमि उपयोग परिवर्तन की पहचान करती है। हर संभावित बदलाव को मोबाइल ऐप के माध्यम से फील्ड स्टॉफ को भेजा जाता है, जिससे वे स्थल पर जाकर पुष्टि कर सके।

गुना डीएफओ ने बताया कि यह पहली बार है जब हमने सेटेलाइट, एआई और फील्ड फीडबैक को एक निरंतर चक्र में जोड़ा है, जो खुद को समय के साथ सुधारता है। यह प्रणाली फॉरेस्ट स्टॉफ को केवल निगरानी नहीं, बल्कि तत्काल कार्यवाही के लिये सशक्त बनाती है। अलर्ट जनरेशन और फीडबैक प्रक्रिया में प्रारंभिक अलर्ट जनरेशन में गूगल अर्थ इंजन द्वारा 3 तारीखों के उपग्रह चित्रों की तुलना, फसल, बंजर भूमि, निर्माण इत्यादि में बदलाव की पहचान करता है। साथ ही महत्वपूर्ण पिक्सल परिवर्तन के आधार पर पॉलीगन अलर्ट, फील्ड सत्यापन के अंतर्गत मोबाइल ऐप पर अलर्ट भेजना, फील्ड स्टॉफ जीपीएस टैग की गई फोटो, वाइस नोट और टिप्पणियाँ अपलोड करना एवं डेटा समृद्धि में एनडीवीआई, एसएवीआई, ईवीआई जैसे इंडेक्स और एसएआर विशेषताओं को जोड़ने से एक अलर्ट में लगभग 20+ इंडिपेंडेंट फीचर्स तैयार होते हैं। मशीन लर्निंग मॉडल सुधार के अंतर्गत फील्ड से मिले फील्ड बैक के आधार पर एआई मॉडल का पुनः प्रशिक्षण और गलत अलर्ट की संख्या में कमी के साथ सटीकता में वृद्धि होगी।

वन मण्डलाधिकारी के डैशबोर्ड के लिये लाइव निगरानी के अंतर्गत नई प्रक्रिया में और पूर्ण अलर्ट की लाइव स्थिति, बीट और फील्ड पोस्ट अनुसार विभाजन और डेट, डेंसिटी, एरिया आदि के आधार पर फिल्टर एवं फील्ड स्टॉफ की ऑन-साइट कार्रवाई के लिये मोबाइल ऐप पर अलर्ट प्राप्त होगा, छवि, जीपीएस, वॉइस सहित सर्वे डाटा सबमिट और जियो फेंसिंग और दूरी मापन के फीचर अंतर्निहित होंगे। वन विभाग द्वारा पॉयलेट प्रोजेक्ट के रूप में इस प्रणाली को 5 संवेदनशील वन मण्डलों में लागू किया गया है

उद्यानिकी विभाग की पानी चौपाल बनी मुख्य आकर्षण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रदेश में 30 मार्च से प्रारंभ किये गये जल गंगा संवर्धन अभियान में उद्यानिकी विभाग द्वारा गाँव-गाँव में आयोजित की जा रही पानी चौपाल आकर्षण का प्रमुख केन्द्र बन गई है। पानी चौपाल में मैदानी अमले द्वारा गाँव के किसानों को जल संरक्षण के साथ, कम पानी से होनी वाली फसलों, कृषि के साथ उद्यानिकी फसलों को जोड़कर अधिक लाभ कमाने और नवीन उद्यानिकी तकनीकियों की समझाइश दी जा रही है। इसके साथ ही अभियान के दौरान ही फलोद्यान, ?ड्रिप लाइन, प्लास्टिक मलचिंग, सब्जी क्षेत्र, मसाला क्षेत्र, पुष्प क्षेत्र विस्तार योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिये उद्यानिकी विभाग के ऑनलाइन पोर्टल से पंजीयन भी कराया जा रहा है। उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण विभाग द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना पर ड्रॉप-मोर क्रॉप अंतर्गत 13 हजार 500 कृषकों को 76.68 करोड़ रूपये की लागत स्प्रिंकलर एवं ड्रिप सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। लगभग 5 हजार हैक्टेयर में फलदार पौधों का रोपण, सभी विकासखंड में उपलब्ध जल से सूक्ष्म सिंचाई के माध्यम से उचित प्रबंधन पर कार्यशालाओं का आयोजन करने तथा अभियान के लिये 25 लाख से अधिक फलदार पौधे उपलब्धता सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है। इन लक्ष्यों की पूर्ति के लिये पानी चौपाल में ही किसानों को ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया की जानकारी भी प्रदान की जा रही है। गुना जिले के गुना विकासखंड ग्राम अकावदा में, विकासखंड चाचौड़ा की ग्राम पंचायत उकविदा, शिवपुर, टीकमगढ़ जिले के विकासखंड जतारा के नतोवली ग्राम पंचायत सेवार, रतलाम जिले के सैलाना विकासखंड के ग्राम सलवानिया और नर्मदापुरम के विकासखंड माखननगर, मैहर जिले के विकासखंड मुख्यालय के ग्रामों में, सिवनी जिले के विकासखंड केवलारी के ग्राम खैराजी सहित प्रदेश के सेकड़ों ग्रामों में पानी चौपालों का आयोजन लगातार जारी है।

139 उत्कृष्ट विद्यालयों का संचालन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्कूल शिक्षा विभाग शासकीय स्कूलों में माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर की गुणवत्ता युक्त शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश के जिला मुख्यालय एवं विकासखंड पर उत्कृष्ट विद्यालयों का संचालन कर रहा है। वर्तमान में 43 जिला मुख्यालयों पर और 96 विकासखंड स्तर पर उत्कृष्ट विद्यालय संचालित हो रहे हैं। जिला स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालयों में लगभग 49 हजार 500 और विकासखंड स्तरीय विद्यालयों में 66 हजार 250 विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं।

यह योजना प्रदेश में वर्ष 2017-18 में शुरू की गई थी। प्रदेश में 41 जिला उत्कृष्ट विद्यालयों में 100 सीटर बालक और 100 सीटर बालिका छात्रावास भी स्वीकृत किये गये हैं। वर्तमान में इन छात्रावासों में लगभग 5 हजार 800 विद्यार्थियों को छात्रावास की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

जनसुनवाई में 71 आवेदकों ने दिये आवेदन

जामू में शासकीय हैण्डपंप को अतिक्रमण से मुक्त कराने का बस्ती वासियों ने दिया आवेदन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर एवं अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी ने 71 आवेदकों की समस्यायें सुनीं। संयुक्त कलेक्टर पी.के. पाण्डेय एवं संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले ने भी जनसुनवाई की।

जनसुनवाई के दौरान जामू ग्राम के गरीब बस्ती के सुधीर साकेत एवं अन्य ग्रामीणों ने शासकीय हैण्डपंप को अतिक्रमण से मुक्त कराने का आवेदन दिया जिसे तत्काल एसडीएम एवं पीएचई विभाग को कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। उमेश तिवारी पैपखरा के नरवाई से हुई पौधों की हानि का मुआवजा देने, टटिहरा निवासी बृजेन्द्र नाथ शुक्ला के सीमांकन कराने, कोलहा डगरदुआ निवासी रामसजीवन दुबे के आराजी के खसरे में अदला-बदली को ठीक करने के आवेदनों को मनगवां एसडीएम को कार्यवाही करने के लिये निर्देश दिये गये। राजेश शुक्ला मुड़ियारी निवासी के सीमांकन कराने के आवेदन पर एसडीएम सिरमौर को कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।

इसी प्रकार रामकुमार सिंह पड़िया के अतिक्रमण हटाने के आदेश का पालन कराने, राजेश प्रसाद पाण्डेय पड़रिया के कम्प्यूटर खसरे की नकल दिलाने, हाजी मोहम्मद अब्बास अमहिया के अतिक्रमण हटाने के आवेदनों को एसडीएम हुजूर को कार्यवाही करने के लिये प्रेषित किया गया। रहट के मोहम्मद तौफीक ने कब्रिस्तान से अतिक्रमण हटाने का आवेदन दिया जिसे तहसीलदार हुजूर को एवं छिरेहटा निवासी रामशरण मिश्र के शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने के आवेदन पर तहसीलदार गोविंदगढ़ को समाधानकारक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। पतौता निवासी रामाश्रय चौरसिया के भूअर्जन का मुआवजा दिलाने तथा गुढ़ के रामशरण सोनी के खसरे में गलत प्रविष्टि को दुरूस्त करने के आवेदनों को गुढ़ एसडीएम को कार्यवाही किये जाने हेतु प्रेषित किया गया। कोलहा के रामजीवन दुबे के हैण्डपंप सुधार के आवेदन को कार्यपालन यंत्री पीएचई को तथा रूपौली के हरिश्चन्द्र द्विवेदी के सीमांकन कराने के आवेदन को तहसीलदार जवा को कार्यवाही करने हेतु प्रेषित किया गया।

वन विभाग में चल रहा वन रेजों में निर्माण के नाम पर भ्रष्टाचार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के वन क्षेत्र में प्रति वर्ष अरबो रूपये के निर्माण कार्य अलग-अलग रेंजों में कराये जाते हैं। जिनमें निर्माण के नाम पर बड़ा खेल चल रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक इस खेल में वन मंडल सतना के एक बाबू, एसडीओ. सतना व रेजों भ्रष्टाचार किया जा रहा है। ऐसा ही एक मामला सिंहपर रेंज के शिवराजपर बीट का सामने आया हैं जहां वर्तमान समय में स्टाप डैम, रपटा का निर्माण कार्य चल रहा है। जहां एक रपटा बनाने के लिए वन विभाग द्वारा 5 से 6 लाख रूपये दिये जाते हैं तो निर्माण की हालत कुछ प्रकार है। आसपास क्षेत्र से पत्थरों को इकट्ठा करके निर्माण कराया जा रहा है। गुणवत्ता विहीन रेत व गिट्टी का उपयोग कर निर्माण चल रहा है।

अगर मामले को डीएफओ द्वारा गंभीरता से संज्ञान में लिया गया तो कई अधिकारियों की गर्दन फंस सकती है। सिंहपुर रेंज एसडीओ सतना लाल सुधाकर सिंह के देखरेख में कार्य चल रहा है। अगर डीएफओ द्वारा विगत वर्षों का ब्यौरा मांग जाये व वन क्षेत्र का निरीक्षण किया जाये तो भ्रष्टाचार की पोल सामने आ सकती है।

दुअरा नाथ मंदिर में आयोजित हुआ सुंदरकांड का पाठ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आत्म कल्याण एवं जन कल्याण के निमत प्रत्येक महीने के अंतिम मंगलवार को श्री सिद्ध धाम दुअरा नाथ मंदिर में सुबह 8 बजे से श्री सुंदरकांड का पाठ अमित चक्रधर सिंह सरपंच सीतलहा एवं अध्यक्ष सरपंच संघ जवा के आयोजकत्व में में बहुत भावपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ।। ज्ञात होगी यह क्रम पहले मां शीतला धाम ग्राम पंचायत सितलहा में होता था किंतु अब प्रभु कृपा एवं प्रेरणा से आज 29 अप्रैल 2025 को श्री दुअरा नाथ मंदिर में 8 बजे सुबह श्री विजय विजय मिश्रा गाहिलवार , छू टकऊ पटेल, अमरबहादुर की टीम एवं क्षेत्रीय भक्त जनों द्वारा विधिवत शुभारंभ हुआ है। पाठ के उपरांत आरती प्रसाद के बाद समापन हुआ। इस दिव्य पाठ में क्षेत्री सम्मानित जन,प्रभु प्रेमी भक्त गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजक अमित/ चक्रधर सिंह ,सरपंच ग्राम पंचायत सितलहा एवं अध्यक्ष सरपंच संघ जनपद पंचायत जवा ने सभी क्षेत्रीय आम जनमानस भक्तगण एवं प्रभु प्रेमियों के प्रति आत्मीय आभार व्यक्त करते हुए सादर प्रणाम बन्दन करते हुए अगले मई माह के अंतिम मंगलवार को पुनःहैं इसी समय में इसी स्थान में हम सबको उपस्थित होना है।

तीन पंचायत सचिव निलंबित, छह सचिवों की वेतनवृद्धियाँ रोकी गई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर ने शासकीय कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में तीन पंचायत सचिवों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा जनपद मऊगंज में आयोजित समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहने पर छह सचिवों की एक-एक वेतनवृद्धि रोके जाने का आदेश जारी किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सचिव ग्राम पंचायत बरसैता रायपुर कर्चुलियान अनिल सिंह परिहार, सचिव तत्कालीन ग्राम पंचायत बरौं वर्तमान सचिव ग्राम पंचायत अटरिया पुर्वा सिरमौर मयंक पाण्डेय तथा सचिव ग्राम पंचायत इटहा कला नईगढ़ी सुरेश कुमार पटेल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जबकि सचिव ग्राम पंचायत बहेराडाबर रामदरश भारती, सचिव ग्राम पंचायत नौढ़िया संतोष पटेल, सचिव व ग्राम पंचायत नरैनी अरूण सिंह, सचिव ग्राम पंचायत दुवगवां दुवान रामलली कुशवाहा, सचिव ग्राम पंचायत मटियरा राजेन्द्र तिवारी तथा सचिव ग्राम पंचायत सीतापुर उमेश शुक्ला की एक-एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने के आदेश सीईओ जिला पंचायत द्वारा जारी किया गया है।

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने उपार्जन की समीक्षा की

जिले में समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन 5 मई तक, 30 अप्रैल तक ही बुक कर सकते हैं स्लॉट

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में निर्धारित खरीदी केन्द्रों में पंजीकृत किसानों से गेंहू का उपार्जन किया जा रहा है। शासन द्वारा गेंहू उपार्जन के लिए 5 मई अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने उपार्जन की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि पंजीकृत किसान 30 अप्रैल तक स्लॉट बुक करके निर्धारित खरीदी केन्द्रों में गेंहू दे सकते हैं। स्लॉट बुक करने की सुविधा 30 अप्रैल के बाद उपलब्ध नहीं होगी। जो किसान समर्थन मूल्य पर गेंहू देना चाहते हैं वे 30 अप्रैल तक स्लॉट अवश्य बुक करा लें। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि गेंहू उपार्जन की अंतिम तिथि समीप आने से खरीदी केन्द्रों में बड़ी संख्या में किसान आ सकते हैं। सभी खरीदी केन्द्रों में उपार्जित गेंहू का तत्काल उठाव कराकर सुरक्षित भण्डारण कराएं। खरीदी केन्द्रों में पर्याप्त मात्रा में बारदाने तत्काल उपलब्ध करा दें। गोदाम स्तरीय खरीदी केन्द्रों में उपार्जित गेंहू की स्टैंगिंग कराएं जिससे अतिरिक्त स्थान उपलब्ध हो सके। जिन गोदामों में धान का भण्डारण है वहाँ से मिलर्स को मिलिंग के लिए धान का उठाव कराएं जिससे गेंहू का भुगतान किया जा सके।

खरीदी केन्द्रों में उपार्जित गेंहू की गुणवत्ता की कड़ी निगरानी रखें। कलेक्टर ने जिला महाप्रबंधक सहकारी बैंक को किसानों को समय पर भुगतान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जिला महाप्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम गोदामों में भण्डारण के लिए गेंहू के पहुंचते ही तत्काल बिल जनरेट करें जिससे किसानों को भुगतान में किसी तरह की देरी न हो। बैठक में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मऊगंज में प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना संबंधी बैठक अब 6 मई को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।मऊगंज में प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना संबंधी बैठक अब 6 मई को दोपहर एक बजे से कलेक्ट्रेट कार्यालय में मऊगंज में आयोजित की गई है। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन करेंगे। बैठक में आदर्श ग्राम योजना के तहत वर्ष 2021-22 एवं वर्ष 2022-23 में संबंधित ग्राम पंचायतों को आवंटित राशि के उपयोग तथा निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। जिला संयोजक आदिमजाति कल्याण विभाग कमलेश्वर सिंह ने संबंधित जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों से राशि उपयोगिता प्रमाण पत्र तथा कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र के साथ बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है। बैठक में संबंधित गांवों के सरपंच तथा ग्राम पंचायत सचिव भी उपस्थित रहेंगे।

मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना की अनुग्रह राशि का वितरण आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल 2.0) योजना की अनुग्रह राशि का सिंगल क्लिक के माध्यम से 30 अप्रैल को वितरण करेंगे। इस कार्यक्रम को लाइव प्रसारित किया जाएगा। श्रम पदाधिकारी प्रिया अग्रवाल से प्राप्त जानकारी के अनुसार रीवा जिले के शहरी व ग्रामीण निकायों के 520 हितग्राहियों को अनुग्रह राशि प्राप्त होगी। जिसमें जनपद गंगेव के 84, जवा के 53, रायपुर कर्चुलियान के 46, रीवा के 85, सिरमौर के 94, त्योंथर के 56 हितग्राही शामिल हैं। जबकि नगर परिषद बैकुण्ठपुर के 13, चाकघाट एवं सेमरिया के 2-2, डभौरा एवं सिरमौर के 4-4, गोविंदगढ़ के 6, गुढ़ के 10 मनगवां के 9 तथा सिरमौर के एक हितग्राही को अनुग्रह राशि प्राप्त होगी। श्रम पदाधिकारी ने बताया कि मऊगंज जिले के 295 हितग्राहियों को अनुग्रह राशि प्राप्त होगी।

जल चौपाल तथा कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग गंगेव द्वारा ग्राम पंचायत बसेड़ा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल चौपाल तथा कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सूक्ष्म सिंचाई द्वारा पानी की बचत एवं उद्यानिकी फसलों में सूक्ष्म सिंचाई के उपयोग के बारे में जानकारी दी गई।

सेवानिवृत्त उद्यान विकास अधिकारी एस एन शर्मा द्वारा उद्यानिकी की विभिन्न फसलों को अपनाने तथा फसल कृषि कार्य माला की जानकारी कृषकों को प्रदान की गई। प्रभारी वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी श्रद्धा मिश्रा द्वारा उद्यान विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को लेने के लिए किसानों को प्रेरित किया गया। राहुल पाटीदार ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी द्वारा कार्यक्रम का संचालन एवं कृषकों का पंजीयन किया गया। उन्नतशील कृषक शिवपाल सिंह के खेत पर ड्रैगन फ्रूट, प्याज की खेती के बारे में किसानों को अवगत कराया गया एवं कृषको का भ्रमण कराया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मनगवां, बसेड़ा, गढ़ एवं सरई गांव के किसान उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने परशुराम जयंती पर प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।तप, त्याग और पराक्रम के प्रतीक भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम जी की जयंती के अवसर पर मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं हैं। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि भगवान परशुराम का जीवन अन्याय के विरुद्ध संघर्ष और धर्म की स्थापना का प्रतीक है। हम सभी को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज में न्याय, सद्भावना और सेवा का भाव बढ़ाने का संकल्प लेना चाहिए।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 1 मई से 31 मई तक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस के निर्देशन में सतना जिले में संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण, मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार 1 मई से 31 मई 2025 तक ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। प्रशिक्षण का समय प्रातः 5.30 बजे से प्रातः 7.30 बजे तक रहेगा। कलेक्टर ने प्रशिक्षण शिविर के लिए खेल मैदानों में खेला के प्रशिक्षण हेतु खेल संघों के पदाधिकारी, जिला खेल प्रशिक्षक, व्यायाम निदेशक, खेल समन्वयक, वरिष्ठ एवं सीनियर खिलाडियों की डयूटी लगाई है। साथ ही समस्त प्रशिक्षक नियमित रूप से उपस्थित होकर ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षण कार्य संपन्न करायेंगे। यह शिविर जिला मुख्यालय एवं सभी विकासखंड मुख्यालयों पर आयोजित किए जाएंगे।

कलेक्टर द्वारा जारी आदेशानुसार जिला मुख्यालय स्तर पर दादा सुखेन्द्र सिंह स्पोर्ट्स काम्पलेक्स जवाहर नगर सतना में बालीबाल, कबड्डी, टेबिल टेनिस, फुटबाल, बास्केटबाल, बैडमिंटन, एथलेटिक्स एवं कराते खेलों के प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसी प्रकार विकासखंड मुख्यालय स्तर पर रामपुर बघेलान के हनुमानगंज स्टेडियम रामपुर बघेलान में व्हालीबाल एवं एथलेटिक्स, मझगवां के शा. उत्कृष्ट उ.मा.वि. मझगवां में हैण्डबाल एवं व्हालीबाल, उचेहरा के शा.उत्कृष्ट उ.मा.वि. उचेहरा में व्हालीबाल एवं फुटबाल, मैहर के फुटबाल स्टेडियम मैहर में फुटबाल एवं व्हालीबाल एवं नागौद के खेल परिसर नागौद में व्हालीबाल एवं फुटबाल, रामनगर के शा. उत्कृष्ट उ.मा.वि. रामनगर एवं स्पोर्ट्स काम्पलेक्स रामनगर में एथलेटिक्स एवं फुटबाल तथा अमरपाटन के कप्तान लाल प्रताप स्टेडियम अमरपाटन में फुटबाल एवं एथलेटिक्स खेलों के प्रशिक्षण शिविर आयोजित होंगे।

पानी को सहेजने के लिए गांव-गांव बनाए जा रहे रिचार्ज पिट और खेत तालाब

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा और मऊगंज जिलों में 30 मार्च से जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत सभी ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण के कार्य कराए जा रहे हैं। दोनों जिलों में हैण्डपंपों, ट्यूबवेल तथा कुंओं में रिचार्ज पिट बनाकर बारिश के पानी को धरती में सहेजने का प्रयास किया जा रहा है। इसी तरह किसानों को प्रोत्साहित करके निजी जमीनों में बड़ी संख्या में खेत तालाब का निर्माण कराया जा रहा है। खेत तालाब से किसान को एक ओर जहाँ फसल की सिंचाई के लिए पानी मिलेगा वहीं दूसरी ओर धरती माँ की कोख में भी पानी का संचय बढ़ेगा। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने बताया कि रीवा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत खजुहा में पाँच किसानों द्वारा खेत तालाब का निर्माण किया जा रहा है। सहायक यंत्री एवं उपयंत्री ने निर्माण कार्य का निरीक्षण कर किसानों को तकनीकी सलाह दी। रायपुर कर्चुलियान जनपद पंचायत में ग्राम महसुआ में कुएं में रिचार्ज पिट बनाया जा रहा है। उपयंत्री ने निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इसी तरह मऊगंज जिले के जनपद पंचायत हनुमना में ग्राम पांती मिश्रान तथा ग्राम पंचायत बलभद्र गढ़ में अमृत सरोवर का निर्माण किया जा रहा है। रायपुर कर्चुलियान की ग्राम पंचायत उकठा कंचनपुर में हैण्डपंपों में रिचार्ज पिट का निर्माण तथा चेक डैम में सुधार का कार्य किया जा रहा है। सहायक यंत्री मनीषा मिश्रा और उपयंत्री प्रतिभा वर्मा द्वारा निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। हनुमना जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत पटेहरा में भी अमृत सरोवर का निर्माण शुरू कर दिया गया है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण के कार्यों के साथ-साथ जिले भर में जल संरक्षण के लिए जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। स्कूलों में निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता और चित्रकला के माध्यम से जल संरक्षण के संदेश दिए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश आजीविका मिशन से जुड़े महिला स्वसहायता समूह एवं जन अभियान परिषद द्वारा रैलियाँ निकालकर आमजनता को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। विकासखण्ड नईगढ़ी तथा विकासखण्ड सिरमौर में महिलाओं ने जल संगोष्ठी करके एवं रैली निकालकर जन जागरूकता का संदेश दिया।

कलेक्टर ने सुनी 104 समस्यायें

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई में जिले के दूर-दराज के क्षेत्रों से आये 104 आवेदकों से उनकी समस्यायें सुनी और अधिकारियों को तत्काल निराकरण के निर्देश दिये। इस मौके पर अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे, सहायक कलेक्टर अनिकेत शाडिल्य एवं डिप्टी कलेक्टर एलआर जांगडे सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में जमीन का सीमांकन कराने, अनुकंपा नियुक्ति, खाद्यान पात्रता पर्ची, दाखिल-खारिज कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना, अवैध कब्जा हटाने, विद्युत समस्या, जमीन का कब्जा दिलाने, सीमांकन कराने, चिकित्सा सहायता, रोजगार दिलाने, भरण-पोषण और संबल योजना के लाभ संबंधी आवेदन लेकर जनसुनवाई में पहुंचे।

विचार

भारत-पाक़ के बीच तनाव चरम पर पहुंचा

वैश्विक स्तरपर अब दुनियाँ के हर देश की ऐसी विचारधारा हो गई है कि,भारत अब दम रखता है, वैश्विक निर्णयों में हस्तक्षेप,अर्थव्यवस्था में दखल औरअंतरराष्ट्रीय मंचों पर दमक व विकसित देशोंमें पैठ के चलते पहलगाम हमले नें मानों सोए शेर को जगा दिया है, या यूं कहें कि दुश्मन ने मधुमक्खियां के छत्ते में हाथ डाला है तो अंजाम तो भुगतना पड़ेगा ही, हालांकि भारतीय फौजी नेता या विशेषज्ञों ने सीधे तौर पर कोई बयान नहीं दिया है परंतु मेरा मानना है कि बौद्धिक क्षमता में निपुण हर भारतीय अब समझ गया है कि सरकार अब पहलगाम हमले का जबरदस्त जवाब देने के मूड में है, क्योंकि हम देख रहे हैं कि सिंधु नदी जल, वीजा, वाघा बॉर्डर इत्यादि पर सख्त फैसलों के बाद जम्मू के अस्पतालों मेडिकल कॉलेजों को अलर्ट करना, भारतीय सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर रहना तथा दिनांक 26 अप्रैल 2025 को देर शाम सभी मीडिया चैनलों प्लेटफॉर्मों के लिए एडवाइजरी जारी करना यह किसी बड़ी कार्रवाई की ओर इशारा करता है,जिसपर पूरा विश्व नजरे गड़ाए बैठा है,क्योंकि पूरे अंतरराष्ट्रीय जगत ने आतंकवाद के खिलाफ़ भारत के पक्ष में पुणे समर्थन दिया है, इसीलिए किसी ठोस कार्रवाई की उम्मीद लगाना वाजबी भी है। चूँकि अंतरराष्ट्रीय जगत में भारत द्वारा पाक पर किसी सैन्य कार्रवाई या सर्जिकल स्ट्राइक की सुबसुबाहट हो रही है,पहलगाम हमले की जवाबीकार्रवाई पर सबकी नज़रें टिकी हुई है, तथा भारत-पाक ने सीमा पर तैनाती बढ़ाई है एवं केंद्र सरकार, विपक्ष, जम्मू कश्मीर सरकार, कश्मीरी आवाम हम साथ साथ हैं, वाली लाइन पर आ गए हैं, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत पाक के बीच तनाव चरम पर पहुंचा, सभी मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए एडवाइजरी जारी, जम्मू सरकारी मेडिकल, स्टाफ, दवाइयां, उपकरण तैयार रखने के आदेश ज़ारी।

साथियों बात अगर हम सूचना प्रसारण मंत्रालय द्वारा सभी मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए एडवाइजरी जारी करने की करें तो, राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी मीडिया चैनलों, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण सलाह जारी की है। मंत्रालय ने निर्देश दिया है कि रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की आवाजाही से संबंधित किसी भी जानकारी का सीधा प्रसारण न किया जाए। दरअसल, इससे पहले भी कई बार ऐसी घटनाओं को कवर करने को लेकर मीडिया पर सवाल उठ चुके हैं। ऐसे में प्रसारण मंत्रालय ने पहले ही मीडिया को सतर्क कर दिया है और सलाह दी है। एडवाइजरी में कहा गया है,राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में, सभी मीडिया प्लेटफॉर्म, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं से अनुरोध है कि वे सुरक्षा संबंधी अभियानों से जुड़े मामलों पर रिपोर्टिंग करते समय अत्यधिक जिम्मेदारी बरतें। मौजूदा कानूनों और विनियमों का सख्ती से पालन करें।

भारत के लिये स्थाई सिरदर्द बन चुका आतंक पोषक पाकिस्तान

जमू-कश्मीर के पहलगाम में गत 22 अप्रैल को हुए बर्बरतापूर्ण व अमानवीय आतंकी हमले को देश जल्दी भुला नहीं पायेगा। इसमें 27 बेगुनाहों की जान चली गई जिनमें अधिकांश देश के विभिन्न राज्यों से आये हुये पर्यटक शामिल थे। इस अमानवीय घटना की जितनी भी निंदा की जाये वह कम है। इस घटना के बाद राजनीति,भारतीय मीडिया,सोशल मीडिया, पक्ष और विपक्ष से जुड़े कई ऐसे पहलू थे जिनपर चर्चा होनी स्वभाविक थी और वह हुई भी। जैसे इस त्रासदी को मुय धारा के कहे जाने वाले टी वी चैनल्स ने एक बार फिर एजेंडा रिपोर्टिंग की तर्ज़ पर पेश कर देश में विभाजनकारी माहौल बनाने की पूरी कोशिश की। और इस आतंकी हमले को हिंदू बनाम मुस्लिम के रूप में पेश करने का भरसक प्रयास किया। इन टी वी चैनल्स को हमले के बाद कश्मीर सहित पूरे देश में इस हमले के विरुद्ध उपजी सहानुभूति,एकजुटता, पर्यटकों को बचाने,उन्हें पनाह देने व आतंकियों का बहादुरी से मुक़ाबला करते हुये स्थानीय कश्मीरी की जान देने व पर्यटकों के प्रति मानवता से पेश आने के दृश्य नज़र नहीं नज़र आये।

न ही सुरक्षा एजेंसियों की लापरवाही न ही आपदा में अवसर ढूंढने वाली विमानन कंपनियों द्वारा आतंकी हमले की दहशत के परिणामस्वरूप पर्यटकों की वापसी की भारी भीड़ को देखते हुये उनसे आठ से दस गुना तक अधिक किराया वसूल किया जाना दिखाई दिया। बहरहाल 22 अप्रैल से लेकर अब तक इस विषय को लेकर दोनों देशों की ओर से कई क़दम उठाये जा चुके हैं। भारत ने पाकिस्तान के विरुद्ध जो अहम फ़ैसले लिए हैं उनमें मुख्य रूप से भारत-पाकिस्तान के बीच हुये सिंधु जल समझौते को स्थगित करना,अटारी बॉर्डर को बंद करना,भारत आए पाकिस्तानी नागरिकों को इसी मार्ग से लौटने के लिए 1 मई तक की समय सीमा निर्धारित करना,पाकिस्तानी नागरिकों को भारत का वीज़ा न देना,भारत में मौजूद पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने के लिए 48 घंटे का समय देना, सभी पाकिस्तानी नागरिकों के वीज़ा रद्द करना, नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी हाईकमीशन में तैनात पाकिस्तानी डिफ़ेन्स एडवाइज़र्स को भारत छोड़ने के लिए एक हफ़्ते का समय देना, तथा दोनों हाई कमीशन में तैनात कर्मचारियों की संख्या 55 से घटाकर 30 तक किया जाना शामिल है। इसके जवाब में पाकिस्तान ने भी भारत के विरुद्ध कई फ़ैसले लिये हैं जिनमें भारत के साथ हुआ शिमला समझौता स्थगित करना,वाघा बॉर्डर से व्यापार पूरी तरह बंद करना,30 अप्रैल तक जिन लोगों ने वैध काग़ज़ों के साथ इस रास्ते से पाकिस्तान प्रवेश किया है, उन्हें वापस लौटने का निर्देश देना,सार्क वीज़ा छूट योजना के तहत भारतीय नागरिकों को दी गई वीज़ा छूट खत्म करना (सिख तीर्थयात्रियों को छोड़कर), भारतीय हाई कमीशन में काम कर रहे सैन्य सलाहकारों डिफ़ेंस, नेवी और एयर अटैची को अवांछित व्यक्ति घोषित करना और उन्हें व उनके सहायक स्टाफ़ को 30 अप्रैल तक पाकिस्तान छोड़ने का निर्देश देना,इस्लामाबाद में भारतीय हाई कमीशन के कर्मचारियों की संख्या घटाकर 30 करना,पाकिस्तानी एयरस्पेस को अब भारतीय स्वामित्व या संचालन वाली सभी एयरलाइंस के लिए बंद करना तथा हर प्रकार का व्यापार चाहे वह सीधे भारत से हो या किसी तीसरे देश के ज़रिए, तत्काल प्रभाव से बंद कर देना जैसी घोषणायें शामिल हैं।

उधर दोनों देशों द्वारा एक दूसरे के विरुद्ध उठाये जा रहे इन क़दमों के बीच पाकिस्तान की ओर से की गयी एक ऐसी स्वीकारोक्ति ने भारत द्वारा पाकिस्तान के विरुद्ध लगभग चार दशकों से लगाये जा रहे इन आरोपों को सच साबित कर दिया है कि पाकिस्तान आतंकवाद की नर्सरी भी है और पनाहगाह भी। ग़ौरतलब है कि स्काई न्यूज़ के संवाददाता ने पहलगाम में आतंकी हमले के सन्दर्भ में जब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख़्वाजा आसिफ़ से पूछा कि- क्या आप मानते हैं कि पाकिस्तान का इन आतंकी संगठनों को समर्थन देने, प्रशिक्षण देने और धन मुहैया कराने का लंबा इतिहास रहा है? तो ख़्वाजा आसिफ़ ने स्वीकार किया कि पाकिस्तान आतंकी समूहों को धन मुहैया कराने के साथ-साथ उन्हें हर तरह से समर्थन करता रहा है। ख़्वाजा आसिफ़ ने एक बातचीत के दौरान कहा कि - हम अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों के लिए क़रीब तीन दशकों से यह गंदा काम कर रहे हैं। इसे दूसरे शब्दों में कहा जाये तो पाकिस्तान अमेरिका व ब्रिटेन जैसे पश्चिमी देशों की कठपुतली बनकर आतंकवाद की पनाहगाह व आतंकवादियों का मुख्य उत्पादक देश बना हुआ है। रक्षा मंत्री ख़्वाजा आसिफ़ ने यह भी कहा कि -यदि हम सोवियत संघ के विरुद्ध युद्ध में और बाद में 9/11 के बाद के युद्ध में शामिल नहीं होते, तो पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड बेदाग़ होता।

परन्तु सच पूछिये तो धर्म के आधार पर भारत से विभाजित होकर 1947 में ही अलग अस्तित्व में आने वाले पाकिस्तान में शुरू से ही अधर्म,ज़ोर ज़बरदस्ती,कट्टरपंथ,हिंसा व आतंकवाद का बोल बाला रहा है। और समय के साथ से यह और भी बढ़ता ही गया है। पाकिस्तानी नेताओं व शासकों द्वारा पोषित व प्रायोजित आतंकवाद का पहला निशाना तो पूर्वी पाकिस्तान (तत्कालीन) के लोग ही बने। बड़े पैमाने पर हत्यायें बलात्कार क्या नहीं किया गया बंगाली मुसलमानों के साथ ? तब कहाँ चला गया था इनका इस्लामी राष्ट्र ? क्यों 24 वर्षों में ही पाकिस्तान से अलग होकर बांग्लादेश वजूद में आया ? उसके बाद पाकिस्तान के अल्पसंख्यकों विशेषकर हिन्दुओं,सिखों,शिया व अहमदिया मुसलमानों पर अत्याचार करने व उनकी हत्याओं का सिलसिला भी कोई केवल तीन दशक की कहानी नहीं है बल्कि यह सब घिनौनी हरकतें पाकिस्तान के वजूद में आते ही शुरू हो गयी थीं। स्वयं राष्ट्रपति ज़ियाउलहक़ के दौर में पाकिस्तान में कट्टरपंथ व आतंकवाद ख़ूब फला फूला। इसी पाकिस्तान में धर्म के नाम पर आत्मघातियों की भर्ती की गयी जिन्होंने मस्जिदों,दरगाहों,इमाम बारगाहों व अनेक धार्मिक जुलूसों में अब तक हज़ारों लोग मारे। उसके बाद इसी पाकिस्तान ने तालिबानों को शुरूआती दौर में पूरा संरक्षण दिया। उनके कार्यालय तक खोले गये और ओसामा बिन लादेन व मुल्ला उमर के समय में तालिबानी प्रवक्ता पाकिस्तान में बैठकर पत्रकार वार्ता करता तथा तालिबानी नीतियों को सार्वजनिक करता था। अफ़ग़ानिस्तान की कट्टरपंथी तालिबानी सरकार को मान्यता देने वाला पहला देश पाकिस्तान ही था। पाकिस्तान में पोषित तालिबानी ही आगे चलकर कट्टरपंथी व आतंकी गिरोह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के नाम से जाने गये। और यही बाद में पाकिस्तान-अफ़गानिस्तान सीमा के क़रीब संघीय प्रशासित क़बायली क्षेत्र के चरमपन्थी उग्रवादी गुटों के संगठन के रूप में स्थापित हुये। इसका मक़सद पाकिस्तान में शरिया पर आधारित एक कट्टरपन्थी इस्लामी अमीरात को क़ायम करना था। इस संगठन ने भी कश्मीर में आतंकवाद फैलाने के प्रयास किये थे। तहरीक-ए-तालिबान ही वह संगठन था जिसके छ: आतंकियों ने 16 दिसम्बर 2014 को पेशावर के सैनिक स्कूल पर हमला करके पाक फ़ौजियों के ही 126 बच्चों की हत्या कर दी थी। इन सब वास्तविकताओं के बावजूद जब जब पाकिस्तान पर आतंकवाद फैलाने या उसे संरक्षण देने का आरोप भारत द्वारा लगाया जाता तो पाकिस्तान यह कहकर अपना पल्ला झाड़ने की कोशिश करता कि वह तो स्वयं आतंकवाद का दंश झेल रहा है और इसका भुक्तभोगी है । परन्तु पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख़्वाजा आसिफ़ की ताज़ातरीन स्वीकारोक्ति से यह साबित हो चुका है कि पाकिस्तान आतंक फैलाने का केवल आरोपी ही नहीं बल्कि दोषी भी है। मसूद अज़हर,कंधार विमान अपहरण, हाफ़िज़ सईद,क़साब, पहलगाम का ताज़ातरीन अमानवीय हमला ऐसे दर्जनों सुबूत हैं जिसके आधार पर यह कहा जा सकता है कि पाकिस्तान द्वारा पोषित व संरक्षित आतंकवाद भारत के लिये स्थाई सिरदर्द बन चुका है लिहाज़ा इसका स्थाई समाधान होना भी ज़रूरी है।

अब पाकिस्तान का सही, पक्का और स्थाई इलाज जरूरी

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पहलगाम के लोकप्रिय टूरिस्ट साइट बैसरन घाटी में आतंकवादियों ने जिस प्रकार से धर्म पूछकर निहत्थे, निर्दोष और मासूम पर्यटकों पर गोलियों की बौंछार करके 28 हिंदुओं समेत 30 लाशें बिछा दीं, वह उनकी राक्षसी प्रवृति का परिचायक है। पहलगाम की घाटी बैसरन में बेहद क्रूरतापूर्ण, दुष्टतापूर्ण, अमानवीय एवं असहनीय घटना को अंजाम देने वाले अत्यंत निर्मम, वीभत्स और दैत्य प्रकृति आतंकवादियों को सभ्य मानव समाज के बीच रहने का कोई अधिकार नहीं दिया जाना चाहिए। यही नहीं, उन्हें मानव बस्तियों और समाज से दूर घने और अंधकारपूर्ण जंगलों में भी नहीं रहने दिया जा सकता, क्योंकि यदि उन्हें वहां रहने दिया गया तो जंगली जानवरों और यहां तक कि स्वयं जंगलों का भी महाविनाश निश्चित ही हो जाएगा। ऐसी परिस्थिति में यह प्रश्न किया जाएगा कि फिर वे कहां पर रहें... जाहिर है कि इस प्रश्न का केवल एक ही उत्तर हो सकता है, और वह है कि उनकी अधोगति को उर्ध्वगति में परिवर्तित कर उनका कल्याण कर दिया जाए। यानी उन्हें भी ऊपर भेज दिया जाए, लेकिन यह मामला इतना सहज भी नहीं है, क्योंकि यदि ऐसा किया गया तो मानव अधिकारों की बात करने वाले लोग और संगठन उन %राक्षसों के भी मानव आकिारों% की वकालत करना शुरू कर देंगे। इतना ही नहीं, ये उन %राक्षसों के मानव आकिारों% की वकालत बेहद जोर-शोर से करेंगे।

ऐसा ये इसलिए करेंगे, ताकि उनकी आवाज दूर-दूर तक पहुंच सके, अन्यथा भारत के कोने-कोने तथा दूर देशों में बैठे इनके पैरोकारों, सहयोगियों और हमदर्दों से इन्हें पान-फूल और शाबाशियां कैसे मिल पाएंगी। वैसे, देखा जाए तो हम सब इनके कृत्यों के लिए इन्हें व्यर्थ ही बदनाम करते रहते हैं। वास्तव में, इसमें इनका कोई दोष भी नहीं है, क्योंकि इस प्रकार की वकालत करना तो हमेशा से ही, बल्कि कहा जाए कि इनका खानदानी व्यवसाय रहा है।

...और यही कारण है कि यह व्यवसाय इनसे छुड़ाए नहीं छूटता है। जाहिर है कि पुश्तों से %मुंह की लगी% इतनी आसानी से कैसे छूटेगी भला। खैर, नहीं छूटती तो, न छोड़ें ये, हम इनके इस %मुंह की लगी% को छुड़ाने का जिम्मा ले लें, यही उचित है। तात्पर्य यह कि ये अपना कार्य (अपनी वकालत) करते रहें... आतंकवादी भी (अपनी राक्षसी प्रवृति को आगे बढ़ाने का) अपना नियत कार्य करते रहें... और हम सभी 142 करोड़ भारतवासी एकजुट होकर अपने कर्तव्यों को पूरी ईमानदारी से अंजाम तक पहुंचाने के लिए तत्पर रहें, ताकि इनकी %मुंह की लगी% वकालत को भी सही राह दिखाई जाए और उनकी राक्षसी प्रवृति का समूल नाश भी किया जा सके। स्मरण रहे कि जब तक इनकी %मुंह की लगी% और उनकी राक्षसी प्रवृति का पूरा-पूरा

हिसाब नहीं किया जाएगा, वे हमारे निहत्थे, निर्दोष और मासूम लोगों के साथ धर्म पूछ-पूछकर खून की होली यों ही खेलते रहेंगे। पहलगाम की उस बेहद क्रूरतापूर्ण, दुष्टतापूर्ण, अमानवीय एवं असहनीय घटना के बाद से ही देश की मीडिया में और राजनीतिक मंचों पर बार-बार यह बात कही-सुनी जा रही है कि आतंकवादियों ने धर्म पूछकर हिंदुओं की हत्या की है, जबकि सच तो यह है कि पिछले 78 वर्षों से लगातार आतंकवादी धर्म पूछकर हिंदुओं की हत्याएं करते आ रहे हैं। यदि हम इसे नहीं मानते, तो समझिए कि स्वयं को झूठी तसल्ली दे रहे हैं। दरअसल, यह पाकिस्तानी सेना द्वारा प्रायोजित धार्मिक (इस्लामिक) जिहाद है, जिसकी शुरूआत लगभग 32 वर्ष पूर्व जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ कस्बे के सरयल इलाके में एक यात्री बस से 17 हिन्दुओं को उनकी जांच-पड़ताल कर मौत के घाट उतार दिया था। कश्मीरी पंडितों के नरसंहार के बाद वह पहला सबसे बड़ा नरसंहार था।

उसके उपरांत तो धर्म पूछकर और जांच-पड़ताल कर हत्याएं करने का जो सिलसिला जम्मू कश्मीर में शुरू हुआ, वह 136 नरसंहारों के बाद भी नहीं थमा है। हालाकि, वर्ष 2006 के उपरांत ऐसे नरसंहारों में थोड़ी बहुत कमी आई थी, लेकिन वर्ष 2023 में एक जनवरी की रात आतंकवादियों ने राजौरी जिले के डांगरी गांव में 07 हिन्दुओं के आधार कार्ड जांच कर मार डालने की घटना ने एक बार फिर अधिकारियों को चौंका दिया था।

जम्मू-कश्मीर में हुए हिन्दुओं के कुछ अन्य बड़े नरसंहारों में 13-14 अगस्त 1993 को डोडा जिले के किश्तवाड़ कस्बे में सरथल-किश्तवाड़ मार्ग पर यात्री बस से उतार कर 17 हिन्दू यात्रियों को मारना, 14 मई 1995 को दोहरी भरथ में 06 हिन्दुओं की हत्या करना, 15 जनवरी 1996 को डोडा जिले के किश्तवाड़ कस्बे के बरशाला क्षेत्र में 16 हिन्दुओं की हत्या करना, 12 जनवरी 1996 को डोडा जिले के भद्रवाह कस्बे में 07 हिन्दुओं की हत्या करना, 06 मई 1996 को डोडा की रामबन तहसील के सुम्बर गांव में 17 हिन्दुओं की हत्या करना, 07-08 जून 1996 को डोडा जिले के कमलाड़ी गांव में 09 हिन्दुओं की हत्या करना, 25 जून 1996 को डोडा के सियुधार क्षेत्र में 13 हिंदुओं की हत्या करना, 07 अप्रैल 1997 को कश्मीर घाटी के संग्रामपुरा गांव में 07 कश्मीरी पंडितों की हत्या करना, 24 सितम्बर 1997 को राजौरी जिले के सवाड़ी गांव में 08 हिन्दुओं की हत्या करना, 26 जनवरी 1998 को कश्मीर के वंदहामा गांव में 23 कश्मीरी पंडितों की हत्या करना, 16 अप्रैल 1998 को डोडा के देस्सा क्षेत्र में 09 की हत्या करना, 17 अप्रैल 1998 को उधमपुर के प्राणकोट एवं ढाकीकोट गांवों में 29 लोगों की हत्या करना, 05 मई 199 को पुंछ के सुरनकोट क्षेत्र में 05 हिन्दुओं की हत्या करना और 06 मई 1998 को डोडा के देस्सा गांव में 11 सुरक्षा समिति के हिन्दू सदस्यों की हत्या करना शामिल है। इनके अतिरिक्त, 19 जून 1998 को डोडा के चम्पनारी में 29 हिन्दू बारातियों की हत्या करना, जिनमें 03 दूल्हे भी शामिल थे। 27 जुलाई 1998 को डोडा में किश्तवाड़ के छिन्नाठकुराई एवं श्रवण गांवों में 20 हिन्दुओं की हत्या करना, 28 जुलाई 1998 को डोडा के सरवान क्षेत्र में 08 लोगों की हत्या करना, 19 फरवरी 1999 को राजौरी जिले के बल-चराल गांव में 09 हिन्दू बारातियों की हत्या करना, 19 फरवरी 1999 को राजौरी में कालाकोट क्षेत्र के बनियारी में 10 हिन्दुओं की हत्या करना, 29 जून 1999 को अनंतनाग के संथू गांव में 12 बिहारी श्रमिकों की हत्या करना, 01 जुलाई 1999 को मेंढर के आड़ी गांव में दो हिन्दू परिवारों के 09 सदस्यों की हत्या करना, 19 जुलाई 1999 को डोडा के काठरी गांव में 05 हिन्दू परिवारों के 15 सदस्यों की हत्या करना, 28 फरवरी 2000 को पुंछ के मेंढर कस्बे में 05 हिन्दुओं की हत्या करना, 29 फरवरी 2000 को काजीगुंड में 05 सिख ट्रक चालकों की हत्या करना, 20 मार्च 2000 को कश्मीर के छत्तीसिंह पोरा में 36 सिखों की हत्या करना, 01 अगस्त 2000 को पहलगाम में 32 हिंदुओं की हत्या करना, जिनमें 29 अमरनाथ यात्री भी शामिल थे, 02 अगस्त 2000 को डोडा के बनिहाल कस्बे के पोगल में 12 हिन्दुओं की हत्या करना तथा 02 अगस्त सन् 2000 को अनंतनाग के अच्छाबल में आठ प्रवासी श्रमिकों की हत्या करना शामिल है।

अस्मिता सिटी इलेक्ट्रिक महिला प्रीमियर लीग 2025 का हुआ भव्य आयोजन

बेलकामार टीम बनी विजेता, सुमन बेस्ट ऑलराउंडर, पिंकी बेस्ट रेडर और प्रीति को बेस्ट डिफेंडर किया गया घोषित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)।मनेंद्रगढ़ में अस्मिता सिटी इलेक्ट्रिक महिला प्रीमियर लीग 2025 प्रतियोगिता का आयोजन गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस महिला कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन तथा जिला खेल अधिकारी वीरेन्द्र नामदेव के मार्गदर्शन में किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की महिला खिलाड़ियों को खेल के क्षेत्र में मंच प्रदान करना और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना रहा। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य राम जीत लकड़ा उपस्थित रहे। साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में सुरेन्द्र मरकाम जनपद सदस्य बुंदेली, सीता देवी जनपद सदस्य पाराडोल, हेमा रघुनाथ सरपंच बुंदेली, फूलमती सरपंच पाराडोल तथा देव कुमार सरपंच बंजी की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गौरव प्रदान किया। इस अस्मिता सिटी प्रीमियर लीग प्रतियोगिता में कुल चार टीमों ने भाग लिया। सभी टीमों के बीच हुए संघर्षपूर्ण मुकाबलों के बाद फाइनल में लघु केंद्र बंजी और बेलकामार की टीमों ने प्रवेश किया। फाइनल मुकाबला अत्यंत रोमांचक रहा, जिसमें दोनों टीमों ने शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन किया। अंततः बेलकामार की टीम ने बेहतरीन रणनीति और दमदार प्रदर्शन के दम पर लघु केंद्र बंजी को पराजित करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। फाइनल स्कोर में बेलकामार 43 और बंजी की 28 रहा । प्रतियोगिता में व्यक्तिगत प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। बेलकामार की कुमारी सुमन को उनके सर्वांगीण प्रदर्शन के लिए 'बेस्ट ऑलराउंडर' का खिताब प्रदान किया गया। वहीं, उनकी ही टीम की पिंकी को 'बेस्ट रेडर' और लघु केंद्र बंजी की प्रीति को 'बेस्ट डिफेंडर' का पुरस्कार मिला। इस आयोजन को सफल बनाने में ग्रामवासी बंजी, बंजी आश्रम की अधीक्षिका, बंजी के प्राचार्य आनन्द, इन्द्रजीत, रूपसिंह, निर्णायक राहुल, शिव चौधरी, यशवंत, व्यायाम शिक्षक केमेन्द्र साहू तथा शिक्षक गौरव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सभी ने अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए प्रतियोगिता को उत्कृष्ट स्तर तक पहुँचाया। जिला खेल अधिकारी की सक्रिय उपस्थिति और समन्वय से आयोजन को विशेष मजबूती मिली। कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि श्री राम जीत लकड़ा ने खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि खेलों से न केवल शारीरिक विकास होता है, बल्कि मानसिक मजबूती और आत्मविश्वास भी बढ़ता है। उन्होंने खिलाड़ियों को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया। यह प्रतियोगिता न केवल एक खेल आयोजन थी, बल्कि यह ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के सशक्तिकरण, उनकी प्रतिभा को मंच देने और सामाजिक समावेशन का प्रतीक भी बनी।

जिला पंचायत की प्रथम सामान्य सभा की बैठक सम्पन्न

नवीन जिले में शासन की योजनाओं का हो व्यापक क्रियांवनयन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती यशवंती सिंह की अध्यक्षता तथा जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजेश साहू की उपस्थिति में आज जनपद पंचायत कार्यालय मनेंद्रगढ़ के सभाकक्ष अमृत सदन में सामान्य सभा का आयोजन किया गया। जिसमें जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती यशवंती सिंह ने अपने संबोधन में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने और आमजन के हितों को ध्यान में रखते हुए उन्होंने राज्य शासन की समस्त योजनाओं का लाभ गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुचाने के लिए कहा। उन्होंने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही को मिले, इस पर सभी अधिकारियों को विशेष रूप से प्राथमिकता देने की बात भी कही। बैठक में ग्रामीण अभियांत्रिकी सेवा विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, छ.ग.विद्युत मंडल विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, खाद्य विभाग, श्रम विभाग, क्रेडा विभाग, वन विभाग, आबकारी विभाग, पीएमजीएसवाई विभाग, आदिम जाति विकास विभागों से मूलभूत सुविधाओं को लेकर गहन चर्चा की गई। इस दौरान समस्त विभागों ने अपने विभागवार विभाग की सामान्य परिचय दिया। सदस्यों सहित समस्त अधिकारियों को योजनाओं से संबंधित कार्य योजनाओं की जानकारी अगले बैठक में फोल्डर में उपलब्ध कराने कहा है। जिससे उनको जिले में चल रहे कार्यों की प्रगति के बारे में सामान्य जानकारी रहे। चूंकि भरतपुर क्षेत्र जिले का दूरस्थ इलाका है तथा इन जगहों पर जनजातीय तथा विशेष जनजातियां रहती है। उनके लिए दो-तीन विभाग ने मिलकर जानकारी दी। इसमें आदिवासी विकास विभाग ने अपने योजनाओं की जानकारी देते हुए छात्रावास एवं आश्रमों की जानकारी दी। इसके साथ ही बच्चों को पढ़ने के लिए प्रवेश की प्रक्रिया के बारे में बताया। आयुक्त एसी ट्राइबल ने बताया कि भरतपुर क्षेत्र में प्रधानमंत्री जनमन योजना तथा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत समस्त मूलभूत आवश्यकताओं वालों कार्यों को धीरे-धीरे पूरा किया जा रहा है। इसमें सबसे प्रमुख सड़कों का कार्य है। सभी छोटे-छोटे सड़कों को जोड़ा जा रहा है। वही लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी सेवा विभाग को अपने विभागीय नलकूपों को ठीक करने कहा गया है। तथा पंचायत के माध्यम से लगे हैण्डपम्पों को 15 वें वित्त से ठीक कराने को कहा गया। नारायणपुर, खैरबना, बंजी तथा बुंदेली में आवास विहिन बैगा जनजातियों को जल्द से जल्द आवास स्वीकृत कराने कहा गया। इसके साथ ही कछौड़ पंचायत के माडी सरई, कुवांरपुर, देवरा तथा शिवपुर में बिजली की समस्या को ठीक करने के लिए कहा गया है। बैठक में जिला प्रशासन के सर्व विभाग प्रमुख अधिकारियों से सभी नवनिर्वाचित सदस्यों का औपचारिक रूप से परिचय कराया गया। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों द्वारा उनके विभाग द्वारा संचालित केंद्रीय व राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं व उनके क्रियान्वयन की अद्यतन स्थिति की जानकारी उपस्थित सदस्यों को उपलब्ध कराई गई। इसके अंतर्गत विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की संक्षेप में जानकारी दी गई। संबंधित विभागों के अधिकारियों ने योजनाओं की प्रगति, चुनौतियों एवं आगामी कार्य योजनाओं के बारे में सदस्यों को अवगत कराया। इसके साथ ही एजेंण्डा वार विभिन बिंदुओं पर क्रमवार चर्चा की गई। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंकिता सोम शर्मा ने सदस्यों से आग्रह किया है कि वे अपने क्षेत्र में हो रहे निर्माण कार्य, हितग्राही मूलक योजनाओं निरीक्षण, संस्थागत प्रसव, आगंनबाड़ियों का क्रियांवयन, पीएचसी एवं सीएचसी में डाक्टरों की उपस्थिति आदि को स्वयं देखे। इसके साथ ही सीईओ के द्वारा धन्यवाद ज्ञापित कर बैठक का समापन किया गया। इस दौरान बैठक में जिला सदस्य श्रीमती अनीता चौधरी, श्रीमती सुखवंती सिंह, श्रीमती बेलाकुवंर, श्रीमती अनीता सिंह, उजित नारायण सिंह, रामजीत लकड़ा, श्रीमती ममता, श्रीमती प्रिया, श्रीमती जानकी बाई, श्रीमती श्याम बाई मरकाम सहित विधायक प्रतिनिधि रवि गप्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन राजेश जैन ने किया। वहीं जिला पंचायत से मनरेगा एपीओ आरीफ, डीपीएम रीतेश पाटिदार, संदीप सिंह, अभिषेक साहू, दीपक पटेल, शोएब अंसारी सहित जिला पंचायत के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ओपन मैदान में शादी पार्टी के बाद कचरा छोड़ने पर होगी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। नगर पालिक निगम चिरमिरी क्षेत्रान्तर्गत प्रायः देखने में पाया गया है कि ओपन मैदान में शादी पार्टी होती है। पार्टी उपरांत स्थल पर ही कचड़ा को छोड़कर चले जाते है। जिसके कारण गंदगी होने से बीमारी फैलने की संभावना बनी रहती है। छोड़ा हुआ खाद्यान को जानवर आदि खाने से बीमार पड़ने की संभावना बनी रहती है। जिसको दृष्टिगत रखते हुए। राज्य शासन द्वारा नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रंबधन उपभोक्ता प्रमार बारात घर, मैरिज हॉल, ओपन क्षेत्रफल 3000 मीटर तक एवं 3000 मीटर से अधिक होने पर प्रावधान अनुसार यूजर चार्ज निधारित किया गया है। अतः निर्धारित प्रभार जमा करने के उपरांत बारात एवं पार्टी आदि कर सकेंगे अन्यथा नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 के विभिन्न धाराओं के तहत पेनाल्टी आदि की वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। जिसकी जिम्मेदारी बारात एवं शादी पार्टी आयोजन कर्ता की होगी।

"सुशासन तिहार" 2025 के माध्यम से आम जनता को मिला त्वरित समाधान

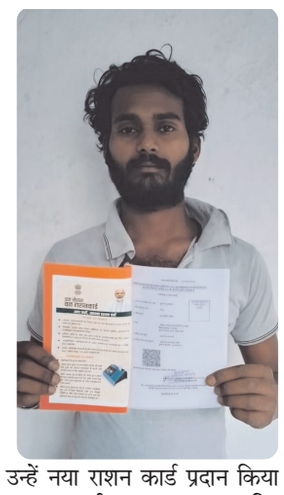

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सुशासन को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए सतत प्रयासरत है। इसी कड़ी में शुरू की गई "सुशासन तिहार" 2025 पहल आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। इस तिहार का प्रमुख उद्देश्य आम लोगों की शिकायतों का समयबद्ध निराकरण, जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा और जन-संवाद की स्थापना है। तीन चरणों में संचालित इस कार्यक्रम का पहला चरण 8 अप्रैल से 11 अप्रैल 2025 तक आवेदन प्राप्त करने हेतु आयोजित हुआ, जिसके बाद वर्तमान में दूसरा चरण-समस्याओं का समाधान-चल रहा है। तीसरा चरण 5 मई से 31 मई 2025 के बीच समाधान शिविरों के आयोजन के रूप में होगा, जहां आम नागरिक सीधे अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से संवाद कर सकेंगे। इसका प्रभाव रांपा (विकासखंड भरतपुर, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर) निवासी सोनू के मामले में स्पष्ट रूप से देखा गया। सोनू ने 11 अप्रैल को नया राशन कार्ड बनवाने हेतु आवेदन किया था, जिसका निराकरण करते हुए 18 अप्रैल को उन्हें नया राशन कार्ड प्रदान किया गया। अपनी समस्या का त्वरित समाधान मिलने पर सोनू ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार प्रकट करते हुए कहा कि "यह एक बहुत ही सराहनीय पहल है, जो आम जनता को सीधे शासन से जोड़ती है और हमें हमारी समस्याओं के समाधान का विश्वास दिलाती है। "सुशासन तिहार" न केवल शासन को पारदर्शी और जवाबदेह बना रहा है, बल्कि सरकारी योजनाओं को आम नागरिकों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का माध्यम भी बन रहा है। यह पहल राज्य में सुशासन की दिशा में एक मजबूत और प्रेरक कदम है।

दो दिवसीय प्रवास पर प्रभारी मंत्री आएंगे सीधी

प्रभारी मंत्री मड़वास और सेमरिया में नवीन थानों का करेंगे शुभारंभ

प्रभारी मंत्री कपूरी में उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन तथा कमर्जी में 6 बेड अस्पताल का करेंगे लोकार्पण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा सीधी जिले के प्रभारी मंत्री श्री दिलीप जायसवाल एक मई 2025 को दो दिवसीय प्रवास पर सीधी आएंगे। राज्यमंत्री श्री जायसवाल दिनांक 01.05.2025 को दोपहर 3 बजे से सर्किट हाउस सीधी में जनता एवं जनप्रतिनिधियों से भेंट करेंगे। प्रभारी मंत्री सायं 4 बजे जिले के विभागों की समीक्षा बैठक लेंगे। इसके पश्चात सायं 6.30 बजे रोगी कल्याण समिति की बैठक में सम्मिलित होंगे। रात्रि 7.30 बजे सीधी से परसीली के लिए प्रस्थान करेंगे तथा रात्रि विश्राम करेंगे।

प्रभारी मंत्री श्री दिलीप जायसवाल दिनांक 02.05.2025 को सुबह 8 बजे परसीली नाला परसीली विद्यालय के पास जलगंगा संवर्धन अभियान कार्यक्र म में सम्मिलित होंगे। इसके पश्चात 11 बजे मड़वास तथा दोपहर 1.30 बजे सेमरिया में नवीन थाने का शुभारंभ करेंगे। तद्उपरांत दोपहर 2.30 बजे कपूरी में उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन एवं सी.एच.ओ. आवास का लोकार्पण तथा पी.एच.सी. कमर्जी में 6 बेड अस्पताल का लोकार्पण करेंगे। इसके पश्चात दोपहर 3.30 बजे कपूरी से सीधी के लिये प्रस्थान करेंगे तथा सीधी सर्किट हाउस में समय आरक्षित रहेगा। प्रभारी मंत्री सायं 5.30 बजे सीधी से परसीली के लिये प्रस्थान तथा रात्रि विश्राम करेंगे। राज्यमंत्री श्री जायसवाल दिनांक 03.05.2025 को सुबह 8 बजे परसीली सीधी से बिजूरी जिला अनूपपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

अपर कलेक्टर ने आमजनों की सुनी समस्याएं, गंभीरतापूर्वक निराकरण के दिए निर्देश

कलेक्टर जनदर्शन में 29 आवेदन हुए प्राप्त

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के मार्गदर्शन पर अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याएं सुनी। जिले के ग्रामीणजन और नागरिकों ने जनदर्शन में अपनी छोटी - बड़ी समस्याओं को सीधे अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार के समक्ष रखा गया। जिसका जिला प्रशासन द्वारा यथासंभव तेजी से निराकरण करने का प्रयास किया जा रहा है। अपर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। जनदर्शन में आज कुल 29 आवेदन प्राप्त हुये। आज जनदर्शन में रामप्रसाद निवासी नौठीया आवास घर की सूची में नाम आने के बावजूद भी इस योजना का लाभ उठाने से वंचित करने के संबंध में, निर्मला देवी निवासी डोमनहिल शासकीय उचित मूल्य दुकान 531001007 के संचालन नीता डे के द्वारा फर्जी तरिके से किये जाने के संबंध में, प्रिति कुमारी निवासी डोमनहिल 531001008 बाधा उत्पन्न करने के संबंध में, कृष्णा कुमार निवासी लोहारी भूमि के संबंध में, ओमप्रकाश निवासी लोहारी भूमि के संबंध में, राज कुमारी निवासी ओदरी वन भूमि पर अवैध कब्जा किये जाने के संबंध में, कलावती बैगा निवासी आरा भूमि के संबंध में, सोनू कुमार निवासी मनेन्द्रगढ़ जनपद कॉम्पलेक्स के पीछे स्थित गुमटी रोके जाने के संबंध में, जगजीवन सिंह निवासी भांवर महुआ फौती नामांतरण कराये जाने के संबंध में, राम अवतार निवासी झगराखाण्ड भूमि के संबंध में, जगजीवन सिंह निवासी भांवर महुआ भूमि के संबंध में, ज्योति सिंह निवासी खोंगापानी पति के द्वारा मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने के संबंध में, रामकली निवासी चिरमिरी भूमि के संबंध में, रीनू निवासी मनेन्द्रगढ़ मेरे पुत्र कुनाल सिंह के निःशुल्क शिक्षा अध्ययन के संबंध में, राजकरन यादव निवासी नेरूआ गैबियन स्पर अशिला नाला भ्रष्टाचार के संबंध में, समस्त ग्रामवासी निवासी नेरूआ आंगनबाड़ी के कार्यकर्ता को पद से पृथक करने के संबंध में, ओमप्रकाश सिंह निवासी नेरूआ तुर्रा नाला कार्य को विवादित के कारण निरस्त करने के संबंध में, मूलचंद निवासी सलका भूमि के संबंध में, फूलमत निवासी श्रीरामपुर भूमि के संबंध में, जुगुन्ती बाई निवासी बरौता फौती नामांतरण में नाम जोड़ने एवं जमीन विवाद के संबंध में, महेश चक्रधारी निवासी नई लेदरी भूमि के संबंध में, सरपंच निवासी परसगढ़ी भूमि के संबंध में, राजेश प्रसाद निवासी सेमरा अवैध रूप से पट्टा बनाये जाने के संबंध में, अंजनी कुमार निवासी डोंगरीटोला वन अधिकार पट्टा को निरस्त किये जाने के संबंध में, आशा बाई निवासी हर्रा भूमि के संबंध में, धीरज मौर्य निवासी पसौरी उप स्वास्थ्य केन्द्र में बाउण्ड्री वॉल निर्माण किये जाने के संबंध में, एवं तहसील कार्यालय केल्हारी में पदस्त कर्मचारी को उनके मूल स्थान में वापस भेजने के संबंध में, वीरेंद्र कुमार निवासी मनेंद्रगढ़ भूमि के संबंध में आवेदन दिए। अपर कलेक्टर ने प्राप्त सभी आवेदनों को पूरी गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को उचित कार्यवाही करते हुए त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिये।'

पीएम आवास योजना में लापरवाही पर 25 आवास मित्रों की सेवाएं की गई समाप्त

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के जनपद पंचायत खड़गवां /मनेंद्रगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत नियुक्त आवास मित्रों की लापरवाही सामने आई है। जिला पंचायत कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार इन आवास मित्रों को आबंटित ग्राम पंचायतों में कार्य में लापरवाही बरतने, प्रगति शून्य रहने, बैठकों में अनुपस्थित रहने और क्षेत्रीय दौरा नहीं करने के कारण सेवा से पृथक कर दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार खड़गवां जनपद पंचायत के तहत कार्यरत आवास मित्र गोल्डी दास, द्वारिका प्रसाद, कलावती, बलराम, विक्की काशी, गौरव शर्मा, आशीष कुमार, अजीत कुमार, अंजना, आदित्य मलिक, अनिल कुमार, विनय सिंह, विनय कुमार निराला, पूजा सिंह और जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ कार्यरत आवास मित्र कुमारी प्रिया सिंह, श्रीमती पूनम साहू, अभिषेक टोप्पो, अलविना एक्का, राम प्रसाद सिंह, कुमारी मायावती, कुमारी प्रिया साहू, कुमारी गीत, शोभन सिंह, नरेंद्र कुमार एक्का, श्रीमती गीता केवट,के कार्य से सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। इनके खिलाफ आरोप था कि ये अपने-अपने आबंटित ग्राम पंचायतों में निर्धारित दायित्वों का पालन नहीं कर रहे थे, जिससे प्रधानमंत्री आवास योजना के लक्षित उद्देश्यों की प्राप्ति प्रभावित हो रही थी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़/खड़गवां द्वारा भेजे गए प्रस्ताव के द्वारा इन आवास मित्रों को पद से पृथक करने का प्रस्तावित किया गया था एवं जनपद पंचायत भरतपुर/मनेंद्रगढ़ के तहत आवास प्लस सर्वे मे लापरवाही करने वाले प्रगणको चंद्रावती मौर्य(आंगनवाड़ी कार्यकर्ता), राकेश कुमार गोयल(पंचायत सचिव), अरुण मिश्रा(रोजगार सहायक), श्रीमती सकुंती बाई(आंगनवाड़ी कार्यकर्ता), सुनील सिंह (रोजगार सहायक), त्रिभूवन सिंह(रोजगार सहायक), ललित (डाटा एंट्री ऑपरेटर), शोभा पतवार(आंगनवाड़ी कार्यकर्ता), शारदा कुमारी (रोजगार सहायक), बबन सिंह (पंचायत सचिव), जय सिंह (रोजगार सहायक) को कारण बात नोटिस जारी किया गया।

पहलगाम हमला- भारत की जवाबी कार्रवाई से डरा पाकिस्तान

श्रीनगर (एजेंसी)। पहलगाम अटैक के जवाब में भारत के संभावित हमले को देखते हुए पाकिस्तान ने एलओसी के पास से आतंकियों को हटने का आदेश दिया है। ये इलाके कश्मीर में घुसपैठ के लिए जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों के लॉन्चिंग पैड माने जाते हैं। पाकिस्तानी सेना को डर है कि भारत इन ठिकानों को निशाना बना सकता है। अभी तक कितने आतंकियों को हटाया गया है, इसकी सटीक संख्या सामने नहीं आई है। लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक यह संख्या 30-50 के बीच हो सकती है। पाकिस्तानी सेना ने इन आतंकियों को अपने बंकरों और सुरक्षित ठिकानों में शिफ्ट किया है। सूत्रों के अनुसार, ये लॉन्चिंग पैड दुधनियाल, अथमुकाम, लीपा, फॉरवर्ड कहूटा और कोटली जैसे एलओसी के पास के इलाकों में हैं। इधर, जम्मू-कश्मीर सरकार ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद सभी ट्रेकिंग एक्टिविटीज पर रोक लगा दी है। सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि दक्षिण और उत्तर कश्मीर के कई ट्रेकिंग रूटों पर आतंकियों की आवाजाही होती है।

राम मंदिर का निर्माण 5 जून को पूरा होगा

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण इस साल 5 जून तक पूरा हो जाएगा। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया- मंदिर परिसर में महर्षि वाल्मीकि, श्री वशिष्ठ जी, अहिल्या जी, निषादराज महाराज, शबरी माता और अगस्त्य मुनि के मंदिर भी 5 जून के बाद श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे।

मंदिर के परकोटे पर बने राम दरबार और छह मंदिरों की पूजा 5 जून को होगी। मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय 5 जून के कार्यक्रम की घोषणा करेंगे। मंदिर निर्माण पूरा होने यानी 5 जून के एक-दो दिन बाद श्रद्धालु सभी अलग-अलग मंदिरों में दर्शन कर सकेंगे।

मंदिर के शिखर पर 42 फीट ऊंचा धर्म ध्वजदंड भी लगाया गया है। अब दंड के सबसे ऊपरी हिस्से पर ध्वज लगाया जाएगा। राम मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक, मंदिर का शिखर 161 फीट ऊंचा है। ध्वज लगने के बाद मंदिर की ऊंचाई 203 फीट होगी। ध्वजदंड का वजन 5.5 टन है और यह पीतल (ब्रास) से बना है। इसकी आयु करीब 100 साल है। इसे 60 कारीगरों ने 7 महीने में तैयार किया है।

बांद्रा के स्कायर मॉल बिल्डिंग में आग लगी

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई से लगे बांद्रा में मंगलवार को स्कायर मॉल बिल्डिंग में आग लग गई। आग 4 मंजिला मॉल के बेसमेंट में स्थित इलेक्ट्रॉनिक शोरूम मे लगी, जो धीरे-धीरे चौथे फ्लोर तक पहुंच गई। सुबह 4 बजकर 10 मिनट पर लगी आग अब तक नहीं बुझाई जा सकी है। रेस्क्यू ऑपरेशन में फायर ब्रिगेड की 13 गाड़ियां और एनडीआरएफ की टीम लगी है। नगर निगम प्रवक्ता ने बताया- घटनास्थल पर किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन सावधानी के तौर पर मॉल के बगल वाली इमारत को खाली करा दिया गया है।

पहलगाम हमला- मोदी ने डेढ़ घंटे हाई लेवल मीटिंग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को मुलाकात की। पीएम हाउस में हुई इस मीटिंग में चीफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान, नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर अजित डोभाल और तीनों सेनाओं के प्रमुख भी मौजूद रहे। मीटिंग डेढ़ घंटे चली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद मंगलवार को गृह मंत्रालय में एक अहम बैठक हुई। इस हाईलेवल बैठक में गृह मंत्री अमित शाह के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड , बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स , केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और सशस्त्र सीमा बल के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। केंद्र सरकार की कैबिनेट बैठक बुधवार सुबह 11 बजे होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बैठक की अध्यक्षता करेंगे। पहलगाम हमले के बाद यह पहली कैबिनेट बैठक है।

भारत ने मंगलवार को पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के एक्स हैंडल पर रोक लगा दी है। पहलगाम हमले के बाद ख्वाजा आसिफ का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने स्वीकार किया था कि पाकिस्तान लंबे अरसे से आतंकी संगठनों को फंडिंग करता आ रहा है। भारत ने सोमवार को 17 पाकिस्तानी यू-ट्यूब चैनल्स भी बैन कर दिए थे।

पहलगाम हमले में आज इंटेलिजेंस एजेंसियों ने बड़ी जानकारी दी। इंटेलिजेंस एजेंसियों के सूत्रों ने बताया कि हमले का मास्टरमाइंड पाकिस्तान का पूर्व एसएसजी कमांडर हाशिम मूसा है। मूसा अभी लश्कर-ए-तैयबा के लिए काम कर रहा है।

लश्कर ने ही उसे जम्मू-कश्मीर भेजा था, ताकि वह सुरक्षा बलों और गैर-कश्मीरियों पर हमलों को अंजाम दे सके। मूसा ने गांदरबल के गगनगीर में अक्टूबर 2024 में हमले को अंजाम दिया था।

शौर्य चक्र विजेता की मां को पाकिस्तान डिपोर्ट किया

श्रीनगर/जम्मू (एजेंसी)। कश्मीर में रहने वाले 60 पाकिस्तानी नागरिकों को उनके देश से डिपोर्ट किया जा रहा है। इनमें शौर्य चक्र विजेता (मरणोपरांत) जम्मू-कश्मीर पुलिस के शहीद जवान की मां और सीआरपीएफ जवान की पाकिस्तान की रहने वाली पत्नी भी शामिल है।

अधिकारियों के हवाले से बताया कि शहीद जवान मुदासिर अहमद शेख की मां शमीमा अख्तर पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की रहने वाली हैं। वे 45 साल से उरी में रह रही थीं। अधिकारियों ने बताया कि इन 60 लोगों में से 36 लोग श्रीनगर, 9 बारामूला, 9 कुपवाड़ा, 4 बडगाम और 2 शोपियां जिले में रह रहे थे।

मुदासिर के चाचा मोहम्मद यूनुस ने बताया- भाभी शमीमा जब 20 साल की थीं, तब उनकी शादी मेरे भाई मोहम्मद मकसूद से हुई थी। वे भी जम्मू-कश्मीर में थे। सरकार को केवल पाकिस्तानियों को ही डिपोर्ट करना चाहिए। पोक तो हमारा क्षेत्र है। यूनुस ने कहा कि मुदासिर की मौत के बाद गृह मंत्री अमित शाह भी पूरे परिवार से मिल चुके हैं। एलजी मनोज सिन्हा भी दो बार मुलाकात कर चुके हैं। सरकार को इनके डिपोर्ट पर विचार करना चाहिए।

दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान से आए 14 वीजा होल्डर्स को 27 अप्रैल तक भारत छोड़ने के आदेश दिए थे। मेडिकल वीजा होल्डर्स के लिए 29 अप्रैल आखिरी तारीख है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस, विक्टिम के पिता बोले-सीबीआई पर भरोसा नहीं

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर केस में पीड़ित के पिता ने सीबीआई को लेकर गुस्सा और नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने मंगलवार को दावा किया कि सीबीआई को उनकी बेटी के अपराधियों के बारे में पता है, लेकिन एजेंसी सच नहीं बता रही है। मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष को भी आरोपी बनाया गया, लेकिन सीबीआई 90 दिन के अंदर घोष के खिलाफ चार्जशीट दायर नहीं कर पाई, जिस कारण सियालदह कोर्ट ने 13 दिसंबर को घोष को इस मामले में जमानत दे दी। आरजी कर हॉस्पिटल में 8 अगस्त की रात ट्रेनी डॉक्टर का रेप-मर्डर हुआ था। 9 अगस्त की सुबह डॉक्टर की लाश सेमिनार हॉल में मिली थी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने संजय रॉय नाम के सिविक वॉलंटियर को 10 अगस्त को अरेस्ट किया था। इस घटना के बाद कोलकाता समेत देशभर में प्रदर्शन हुए। बंगाल में 2 महीने से भी ज्यादा समय तक स्वास्थ्य सेवाएं ठप रही थीं। 222 दिन बाद पीड़ित का डेथ सर्टिफिकेट जारी हुआ था घटना के 222 दिन बाद कोलकाता म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन ने पीड़ित का डेथ सर्टिफिकेट जारी किया था। 19 मार्च को हेल्थ सेक्रेटरी ने इसे पीड़ित के घर जाकर पेरेंट्स को सौंपा था। इससे पहले 23 फरवरी को पीड़ित के परिवार ने आरोप लगाया था कि कोलकाता नगर निगम डेथ सर्टिफिकेट जारी नहीं कर रही, जबकि पानीहाटी नगरपालिका बेटी के दाह संस्कार का सर्टिफिकेट जारी कर चुकी है। मनोचिकित्सक ने बताया था- पीड़ित मानसिक तनाव में थी एक कंसल्टेंट मनोचिकित्सक मोहित रणदीप ने एक बंगाली चैनल के इंटरव्यू में दावा किया था कि पीड़ित को लगातार 36 घंटे ड्यूटी करनी पड़ी थी।

अहमदाबाद में बांग्लादेशी घुसपैठियों के अवैध निर्माण पर एक्शन

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद के चंडोला तालाब क्षेत्र में मंगलवार से बांग्लादेशी घुसपैठियों के अवैध निर्माण पर बुलडोजर एक्शन शुरू हो गया है। गुजरात पुलिस ने सोमवार रात से ही तैयारियां शुरू कर दी थीं। यहां 50 बुलडोजर और 36 डंपर लगाए गए हैं। अब तक की 2000 वर्ग गज यानी 18 हजार वर्ग फुट में फैले क्षेत्र के अतिक्रमण को साफ किया जा चुका है। पुलिस, क्राइम ब्रांच, एसओजी, साइबर क्राइम और एसआरपी की टीमें इलाके में तैनात हैं। गुजरात हाईकोर्ट ने स्टे की याचिका खारिज की हाईकोर्ट में इस मेगा डिमॉलिशन पर स्टे लगाने की याचिका दाखिल की गई थी। लेकिन, इस याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। यहां रहने वाले लोगों ने याचिका में कहा था कि कानूनी प्रक्रिया और नियमों का पालन किए बिना तोड़फोड़ की जा रही है। याचिकाकर्ताओं ने यह भी दावा किया था कि

यहां रहने वालों के बांग्लादेशी होने के ठोस सबूत नहीं हैं। इस मामले में 18 लोगों की ओर से याचिका दायर की गई थी। याचिकाकर्ताओं में ज्यादातर महिलाएं थीं। उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं को अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि जल निकाय के आसपास की यह सरकारी भूमि है, जिस पर रहने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

राहुल कार्यकर्ताओं से बोले- क्या आप लंगड़े घोड़े हो? रायबरेली में कहा- खड़े हो जाओ, पार्टी को जिताओ; हम आपको आगे बढ़ाएंगे

रायबरेली (एजेंसी)। राहुल गांधी 2 दिन के यूपी दौरे पर हैं। इस दौरान राहुल ने सरेनी विधानसभा में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। कहा- आपका काम चुनाव लड़ने का है, आपका काम पार्टी को जिताने का है। अगर आप यह काम कर रहे हो, तो संगठन में हम आपको आगे बढ़ाएंगे। अगर नहीं कर पा रहे हो, तो या तो आप शादी के घोड़े हो या आप लंगड़े घोड़े हो। जो भी है, खड़े हो जाओ और एक साथ आ जाओ।

इससे पहले राहुल मंगलवार सुबह रायबरेली पहुंचे। यहां विशाखा फैक्ट्री में इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन किया। फैक्ट्री जाते समय रास्ते में समर्थकों को देखकर राहुल ने अपनी कार रुकवा दी। कार से उतरे और समर्थकों से हाथ मिलाकर हालचाल पूछा।

विशाखा फैक्ट्री से राहुल गांधी कलेक्ट्रेट ऑफिस पहुंचे। यहां उन्होंने दो घंटे तक अफसरों के साथ मीटिंग की। उनके बगल में योगी सरकार में मंत्री दिनेश सिंह बैठे थे। मीटिंग खत्म होने के बाद मंत्री ने कहा- राहुल का क्या भरोसा, कहीं रास्ते में रुककर जलेबी भी खा लें।

कश्मीर के बडगाम में सीआरपीएफ की गाड़ी खाई में गिरी, 10 जवान घायल

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स की गाड़ी खाई में गिर गई। हादसे में 10 जवान घायल हुए हैं। घटना मंगलवार दोपहर दूधपथरी इलाके में तंगनार के पास हुई। सीआरपीएफ की 181 बटालियन का वाहन बीरवाह के हरदु पंजू में विशेष अभियान समूह (स्ह्त) कैंप में तैनात सुरक्षाकर्मियों को ले जा रहा था।

राजस्थान में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, जैसलमेर-बाड़मेर में 46 डिग्री पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी से लोग परेशान हैं। राजस्थान में सोमवार को गर्मी ने 7 सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। जैसलमेर में दिन का तापमान 46.2 डिग्री सेल्सियस था। यह अप्रैल महीने में अब तक का सबसे ज्यादा तापमान है। इससे पहले जैसलमेर में 30 अप्रैल 2018 को तापमान 46.1 डिग्री था। जैसलमेर के अलावा बाड़मेर में तापमान 46.4 डिग्री दर्ज हुआ। जोधपुर में पारा 44.4 डिग्री पहुंच गया। जयपुर, अलवर, भीलवाड़ा समेत बाकी शहरों में भी तापमान 40 डिग्री के ऊपर रहा। मौसम विभाग ने कहा है कि राज्य में दो दिन भीषण गर्मी होगी। 1 मई से आंधी-बारिश का दौर शुरू हो सकता है। दूसरी तरफ, मध्य प्रदेश और यूपी में आज बारिश का अलर्ट है। इससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिल सकती है। मध्य प्रदेश में 2 मई और यूपी में 3 मई तक बूंदाबांदी जारी रहेगी। लखनऊ में सुबह से बादल छाए हैं। ठंडी हवाएं चल रही हैं।

भारत-पाकिस्तान अटारी बॉर्डर बंद

अमृतसर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार की तरफ से लिए गए फैसले के अनुसार आज से भारत-पाकिस्तान के बीच बना अटारी बॉर्डर पूरी तरह से बंद हो गया है। आज शाम 5 बजे के बाद कोई पाकिस्तानी नागरिक इस बॉर्डर के रास्ते पाकिस्तान नहीं गया और अगले आदेश तक न जा सकेगा। भारत से कुल कितने पाकिस्तानी अटारी के रास्ते वापस रवाना हुए हैं, इसका आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं किया गया है। लेकिन जानकारी के अनुसार 24 अप्रैल से आज तक लगभग 786 पाकिस्तानी वापस गए हैं। अनुमान था कि आज दोबारा भारत सरकार पाक नागरिकों को वापस जाने को अतिरिक्त समय दिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जिसके बाद 5 बजे के बाद आने वाले पाक नागरिकों को अटारी बॉर्डर के इमिग्रेशन विभाग ने वापस भेज दिया।

लॉरेंस इंटरव्यू मामले में पुलिसकर्मियों को झटका

चंडीगढ (एजेंसी)। गैंगस्टर लॉरेंस के पुलिस कस्टडी में हुए इंटरव्यू मामले में पांच पुलिसकर्मियों द्वारा पॉलीग्राफ टेस्ट न करवाने के लिए दाखिल की गई याचिका मोहाली कोर्ट ने खारिज कर दी है। इससे साफ है कि अब उन्हें इस प्रक्रिया से गुजरना पड़ेगा।

हालांकि, उनके पास अब हाईकोर्ट जाने का विकल्प शेष है। इससे पहले याचिका करते हुए पुलिसकर्मियों ने कहा था कि उन पर पॉलीग्राफ टेस्ट करवाने के लिए दबाव बनाया गया था। इस वजह से उन्होंने अपनी सहमति दी थी। जानकारी के मुताबिक पहले 6 पुलिसकर्मी- मुख्तियार सिंह, कॉन्स्टेबल सिमरनजीत सिंह, कॉन्स्टेबल हरप्रीत सिंह, कॉन्स्टेबल बलविंदर सिंह, कॉन्स्टेबल सतनाम सिंह और कॉन्स्टेबल अमृतपाल सिंह ने पहले पॉलीग्राफ टेस्ट से गुजरने के लिए सहमति व्यक्त की थी और उनके बयान दर्ज किए गए थे। हालांकि बाद में उन्होंने मोहाली कोर्ट में याचिका दायर की थी।

साथ ही कहा था कि उन पर दबाव बनाया गया था। पुलिसकर्मियों के वकील सुल्तान सिंह संघा ने मीडिया को बताया कि एडीजीपी रैंक का एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी आदेश पारित होने के समय अदालत में ही मौजूद था और उनके मुवक्किलों ने दबाव में पॉलीग्राफ टेस्ट के लिए सहमति दी थी। संघा ने कहा, संबंधित अदालत के समक्ष अपनी सहमति दर्ज करने के समय पुलिसकर्मियों के साथ कोई वकील नहीं था।

सुप्रीम कोर्ट का सीबीआई को आदेश- सुपरटेक प्रोजेक्ट्स की जांच करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को दिल्ली-एनसीआर इलाकों में रियल एस्टेट डेवलपर्स और बैंकों के बीच गठजोड़ को लेकर आदेश दिया। शीर्ष कोर्ट ने सीबीआई को आदेश दिया कि सुपरटेक लिमिटेड के खिलाफ जांच करें।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच घर खरीदने वालों की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इन लोगों ने एनसीआर के इलाके, जैसे- नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम में सब्सिडी योजनाओं के तहत फ्लैट बुक कराए थे।

किस मामले पर हुई सुनवाई सुप्रीम कोर्ट कई खरीदारों की याचिका पर सुनवाई कर रहा था। इसमें वे लोग शामिल हैं, जिन्होंने एनसीआर खासकर नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम में हाउसिंग प्रोजेक्ट में पैसा लगाया। लोगों का आरोप है कि बैंक उन्हें ईएमओई देने का दबाव डाल रहे हैं, जबकि उन्हें घर का पजेशन ही नहीं मिला। सुको ने संस्थाओं को नोडल अधिकारी बनाने को कहा सुप्रीम कोर्ट ने एनसीआर और ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी, नोएडा अथॉरिटी, सेक्रेटरी, गृह और नगरीय प्रशासन मंत्रालय और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स इंस्टीट्यूट को निर्देश दिया है।

राजस्थान से वापस भेजे गए 129 पाकिस्तानी नागरिक

जयपुर (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद राजस्थान में रह रहे 400 में से 129 पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेज दिया गया है। इसमें 109 लोगों को 27 अप्रैल तक भेज दिया गया था। 20 लोगों को 28 अप्रैल को पाकिस्तान भेजा गया। बाकी लापता हैं। इनकी तलाश जारी है। दूसरी ओर, सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने, आर्मी के संवेदनशील इलाकों में ड्रोन उड़ाते और फोटोग्राफी करते 13 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

इनमें आज (मंगलवार) सुबह की भी एक कार्रवाई शामिल है। बाड़मेर में एयरफोर्स एरिया में स्थित म्यूजियम पर फोटोग्राफी करते 3 युवकों को गिरफ्तार किया है। इससे पहले 28 अप्रैल को बाड़मेर के आर्मी एरिया में ड्रोन उड़ाते 3 युवकों को गिरफ्तार किया गया था। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इस बार अपना जन्मदिन नहीं मनाएंगे। सोशल मीडिया एक्स पर गहलोत ने लिखा है- पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले से हम सब दुखी हैं। ऐसे समय में मैंने इस वर्ष 3 मई को अपना जन्मदिन न मनाने का फैसला किया है।

पेगासस रिपोर्ट सार्वजनिक करने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेगासस जासूसी रिपोर्ट को सार्वजनिक करने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटेश्वर सिंह की बेंच ने मंगलवार को कहा कि देश की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ी किसी भी रिपोर्ट का खुलासा नहीं किया जाएगा। बेंच ने कहा- व्यक्तिगत आशंकाओं का समाधान किया जा सकता है, लेकिन टेक्निकल पैनल की रिपोर्ट सड़कों पर चर्चा के लिए नहीं हो सकती। इस बात की जांच करनी होगी कि जानकारी किस हद तक

साझा की जा सकती है। अगली सुनवाई 30 जुलाई को होगी। 2021 में एक पोर्टल ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि केंद्र सरकार ने 2017 से 2019 के दौरान करीब 300 भारतीयों की पेगासस स्पाइवेयर के जरिए जासूसी की।

इनमें पत्रकार, वकील, सामाजिक कार्यकर्ता, विपक्ष के नेता और बिजनेसमैन शामिल थे। अगस्त 2021 में मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। कोर्ट ने अक्टूबर 2021 में जांच के लिए रिटायर्ड जस्टिस आरवी रवींद्रन की अध्यक्षता में कमेटी बनाई। अगस्त 2022 में इसकी रिपोर्ट आई। इसमें कहा गया कि 29 फोन की जांच की गई, उनमें पेगासस का कोई सबूत नहीं मिला, लेकिन उनमें से 5 में मैलवेयर पाया गया। याचिका में रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग याचिकाकर्ता के वकील श्याम दीवान ने 22 अप्रैल को मामला सुप्रीम कोर्ट में उठाया था। उन्होंने सीलबंद लिफाफे में सौंपी गई रिपोर्ट को बिना किसी संशोधन के सार्वजनिक करने के निर्देश देने की मांग की।

पीआर श्रीजेश को पद्म भूषण और आर अश्विन को पद्मश्री अवार्ड से किया गया सम्मानित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी के पूर्व खिलाड़ी पीआर श्रीजेश को सोमवार को पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जबकि भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को पद्मश्री पुरस्कार दिया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में एक समारोह के दौरान श्रीजेश और अश्विन को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और पीएम मोदी भी मौजूद रहे। श्रीजेश और अश्विन को ये सम्मान खेल में उत्कृष्ट योगदान के लिए मिला है। अश्विन ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था। वह भारत के सफल स्पिनरों में शामिल हैं। अश्विन ने टेस्ट में भारत के दूसरे सबसे सफल गेंदबाज के तौर पर अपना करियर समाप्त किया। 106 टेस्ट मैचों में अश्विन ने 537 विकेट झटके और वह बस पूर्व स्पिनर अनिल कुंबले से पीछे थे जिन्होंने अपने टेस्ट करियर में 619 विकेट लिए हैं। अश्विन फिलहाल आईपीएल 2025 में हिस्सा ले रहे हैं और इस सीजन चेन्नी सुपर किंग्स का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

पहलगाम अटैक पर शाहिद अफरीदी ने उगला जहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के लिए भारतीय सेना पर उंगली उठाई है। उनका कहना है कि 1 घंटे तक जब दशतगर्द वहां दहशतगर्दी करते रहे तो कोई नहीं आया और जब आए तो कुछ ही मिनटों में इसका इल्जाम पाकिस्तान पर लगा दिया।

बता दें, मंगलवार 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था जिसमें 26 लोगों की जान गई थी। पहलगाम अटैक पर शाहिद अफरीदी का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें वह कहते नजर आ रहे हैं कि, एक घंटे तक दहशतगर्द वहां दहशतगर्दी करते रहे और 8 लाख फौज में से कोई नहीं आया। जब आए तो 10 मिनट के अंदर पाकिस्तान पर इल्जाम लगा दिया। खुद ही ब्लंडर संभालते रहते हैं, खुद ही लोगों को मरवा देते हैं, फिर उनकी वीडियोज दिखाते हैं कि वो जिंदा है। इस तरह से न करें। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान ने आगे कहा कि, देखिए कोई भी मुल्क दहशतगर्दी को सपोर्ट नहीं करता।

पाकिस्तान हमेशा अमन की बात करता है। हमारा दीन अमन का पैगाम देता है, हम भारत से हमेशा अच्छे संबंध बनाने की कोशिश करते रहे हैं। हमें वहां से धमकियां मिलती रही हैं। हमें तो पता भी नहीं होता था कि हम जाएंगे भी या नहीं। 2016 का वर्ल्ड कप याद हो तो हम लाहौर में ही थे, मैं कप्तान था टीम को लीड कर रहा था। हमें पता नहीं था कि हमारी फ्लाइट होनी है या नहीं।

जसप्रीत बुमराह की पत्नी संजना बेटे का मजाक उड़ाए जाने से हुई नाराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्पोर्ट्स प्रेजेंटर और क्रिकेटर जसप्रीत बुमराह की पत्नी संजना गणेशन ने आमतौर पर आईपीएल मैचों में भी मैदान में दिख जाती है। मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच खेले गए मुकाबले में उनके बेटे अंगद के चेहरे पर आए भाव का कई लोगों ने मजाक उड़ाया है।

इस घटना के बाद संजना गणेशन ने सोशल मीडिया पर इसकी काफी आलोचना की है। संजना गणेशन ने इस घटना की सोशल मीडिया पर जमकर आलोचना की है। उन्होंने लोगों द्वारा किए गए कमेंट्स पर भड़ास निकाली है। संजना ने अपने बेटे अंगद का मजाक उड़ाने वालों की जमकर फटकार लगाई है। संजना ने पोस्ट पर लिखा हमारा बेटा आपके मनोरंजन का विषय नहीं है। जसप्रीत और मेरी कोशिश है अंगद को मीडिया से दूर रखने की है। इंटरनेट घृणित, घिनौनी जगह है। कैमरों से भरे स्टेडिटम में बच्चों को लाना सिर्फ खिलाड़ी के समर्थन के लिए है। संजना ने अपने पोस्ट में लिखा कि हमें इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है कि हमारा बेटा इंटरनेट कंटेंट नहीं है। डेढ़ साल के बच्चे का कुछ सेकेंड के वीडियो से ये जज नहीं किया जा सकता कि वो कैसा है, उसकी कोई समस्या है या उसका उसका व्यक्तित्व कैसा है।

इस पूर्व स्पिनर ने केएल राहुल और संजीव गोयनका को लेकर किया बड़ा दावा, एलएसजी के पूर्व कप्तान की खोली पोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट फैंस के बीच आम धारणा है कि लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक संजीव गोयनका बहुत सख्त हैं। आईपीएल 2025 के दौरान कई वीडियो सामने आए हैं, जिनमें गोयनका को मैदान पर मौजूदा कप्तान ऋषभ पंत के साथ बातचीत करते हुए देखा गया। पिछले साल गोयनका और केएल राहुल का वीडियो खूब वायरल हुआ था, जिसमें वह सनराइजर्स हैदराबाद से 10 विकेट से हारने के बाद तत्कालीन कप्तान पर बरसते हुए नजर आए। राहुल तीन सीजन तक लखनऊ के कप्तान रहे। एलएसजी के पूर्व स्पिनर अमित मिश्रा ने राहुल की पोल खोली है।

अमित ने कहा कि राहुल एलएसजी में प्लेइंग इलेवन से लेकर प्लानिंग तक हर चीज खुद तय करते थे। वह किसी से ज्यादा चर्चा नहीं करते थे। अमित ने साथ ही गोयनका को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि गोयनका ने ड्रेसिंग रूम में आकर कभी ऊंचे लहजे में बात नहीं की और हमेशा पॉजिटिव रहे। बता दें कि, राहुल ने एलएसजी से अलग होने के बाद दिल्ली कैपिटल्स का दामन थामा। उन्हें डीसी ने आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में 14 करोड़ रुपये में खरीदा।

अमित ने क्रिकबज पर कहा कि, पिछले साल मैंने एलएसजी के कोच से बात की थी। उन्होंने मुझे बताया कि सारा काम कप्तान केएल राहुल कर रहे हैं।

वहीं इलेवन बना रहे हैं, वही चेंज कर रहे हैं। सारी प्लानिंग वही कर रहे हैं। हालांकि, एलएसजी में इस साल मुझे वैसा नहीं लग रहा। जहीर खान बतौर मेंटॉर वहां गए हैं। मुझे लग रहा है कि अब सभी से बात की जा रही है। अगर आप देखें तो आपस में चर्चा हो रही है। बाहर भी बैठकर बात हो रही है। आप देखिए की पंत बाहर जहीर भाई से बात कर रहे हैं। मैंने देका कि हेड कोच जस्टिन लैंगर मुंबई इंडियंस के

खिलाफ मैच से पहले दिग्वेश राठी से बात कर रहे थे। मुझे लग रहा है कि इस बार चर्चा के बाद फैसले लिए जा रहे हैं।

अमित मिश्रा ने आगे कहा कि, एलएसजी के मालिक की बात करें तो मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि वह बहुत ज्यादा इन्वॉल्व हैं। हां, वह जीत जरूर चाहते हैं। हम कई मैच हारे लेकिन उन्होंने कभी भी ड्रेसिंग रूम में आकर ऊंचे लहजे में बात नहीं की। उन्होंने गलत बात नहीं कही। वह हमेशा पॉजिटिव ही रहे। अमित ने पिछले सीजन में एलएसजी द्वारा एसआरएच के हाथों हार के बाद केएल राहुल और गोयनका के बीच हुई बातचीत का भी खुलासा किया। पूर्व स्पिनर ने कहा कि, हम कोलकाता और हैदराबाद में दो मैच बुरी तरह हारे थे। कोई भी मालिक होता है कि वह यही कहता है कि हर सभी रहे हैं लेकिन आप फाइट का जज्जबा तो दिखाइए। फाइट करके हारिए, कोई दिक्कत नहीं। यही बात हुई थी। लोगों ने मुझे बताया।

जानें कौन हैं करिम जन्नत? राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ गुजरात के लिए आईपीएल डेब्यू किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में 28 अप्रैल 2025 को खेले गए मुकाबले में अफगानिस्तान के ऑलराउंडर करिम जन्नत ने गुजरात टाइटंस के लिए इंडियन प्रीमियर लीग में डेब्यू किया। इसके साथ ही वह आईपीएल में खेलने वाले 10वें अफगान क्रिकेटर बन गए। गुजरात ने इन्हें जेद्दा में हुई मेगा निलामी के दौरान 75 लाख रुपये में खरीदा था।

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इस मुकाबले में करिम जन्नत को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का मौका मिला है। 28 वर्षीय इस ऑलराउंडर ने 160 टी20 मैचों में 2494 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और 9 अर्धशतक शामिल हैं। उनका बल्लेबाजी औसत 22.67 है। गेंदबाजी में भी वह कमाल दिखा चुके हैं, जिसमें 118 विकेट उनके नाम हैं और उनकी इकॉनमी रेट 7.82 है।

जन्नत ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में भी अपनी छाप छोड़ी है। दिसंबर 2016 में डेब्यू करने के बाद उन्होंने दो टेस्ट, तीन वनडे और 67 टी20 में अफगानिस्तान का प्रतिनिधित्व किया है।

शाहिद अफरीदी को शिखर धवन ने दिया झन्नाटेदार जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पूरा देश गुस्से और दुख में है। वहीं बड़ी बात ये है कि पाकिस्तान के बड़े खिलाड़ी इस तरह के बयान दे रहे हैं जिससे मामला और ज्यादा तूल पकड़ रहा है। हाल ही में शाहिद अफरीदी ने भारतीय सेना पर घटिया टिप्पणी की जिसका जवाब अब शिखर धवन ने दिया है। शिखर धवन ने शाहिद अफरीदी को कहा कि तुम लोग पहले ही इतना गिरे हुए हो और कितना गिरोगे। धवन ने अफरीदी और पाकिस्तान को तरक्की में दिमाग लगाने की सलाह दी। शिखर धवन ने ट्वीट कर शाहिद अफरीदी को जवाब दिया, करगिल में भी हराया था, पहले ही इतना गिरे हुए हो और कितना गिरोगे। वेवजह कमेंट्स पास करने से अच्छा है अपने देश की तरक्की में दिमाग लगाओ शाहिद अफरीदी। हमें हारी इंडियन आर्मी पर बहुत गर्व है। भारत माता की जय, जय हिंद।

शाहिद अफरीदी ने पाकिस्तानी मीडिया से बातचीत करते हुए कहा था कि हिन्दुस्तान में पटाखा फट जाता है तो पाकिस्तान का नाम लगा दिया जाता है। अफरीदी ने कहा कि, तुम लोगों की 8 लाख फौज है कश्मीर में और ये हो गया। इसका मतलब नालायक हो, निकम्मो हो ना तुम लोगों को सुरक्षा नहीं दे सकते। हैरत होती है कि भारत का मीडिया अटैक के एक घंटे बाद बॉलीवुड बन गया। खुदा के लिए सब चीजों को बॉलीवुड मत बनाओ। शाहिद अफरीदी ही नहीं पाकिस्तान के कई पूर्व क्रिकेटर भारत के खिलाफ अजीबोगरीब बयानबाजी कर रहे हैं। जिसके बाद भारत के पूर्व क्रिकेटरों ने भी मोर्चा खोल दिया है। पूर्व कप्तान सौरव गांगुली और मोहम्मद अजहरुद्दीन ने पाकिस्तान से आईसीसी टूर्नामेंट में भी किसी तरह का मैच नहीं खेलने की बात कही है।

आईपीएल मैचों की संख्या 74 से 94 तक हो सकती है, बीसीसीआई कर रहा विचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में कुल 74 मैच खेले जाने हैं। 2026 और 2027 के आईपीएल मे भी इतने ही मैच फाइनल समेत खेले जाएंगे। हालांकि, 2028 में आईपीएल के मैचों की संख्या में इजाफा होने की उम्मीद है। बीसीसीआई आईपीएल के मैचों की संख्या को बढ़ाने पर विचार कर रही है। 2028 के सीजन से आईपीएल के मैचों की संख्या 74 से 94 की जा सकती है। हालांकि, कोई नई टीम या फ्रेंचाइजी को निकट भविष्य में मौका मिलने की योजना नहीं है। 2022 से आईपीएल में 74 मैचों का फॉर्मेट चला जा रहा है, जिसमें टीमों का सात मैच घर पर और सात मैच दूसरी टीमों के घर पर खेलने को मिलते हैं। लेकिन 2028 से 9-9 मैच घर और बाहर खेलने का प्रावधान किया जा सकता है। गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपर जायंट्स ने 2022 से ही खेलना शुरू किया है। शुरुआत में 2025 से ही 84 मैचों का आईपीएल कराने की योजना था, लेकिन इंटरनेशनल कैलेंडर को देखते हुए 74 मैचों पर ही आईपीएल को सीमित रखना पड़ा है। आईसीसी के फ्यूचर टूर प्रोग्राम यानी एफटीपी में आईपीएल की विंडो अगले दो वर्षों के लिए क्लोज कर दिया गया है, जो मार्च के मध्य से मई के अंत तक चलेगी, लेकिन आईपीएल के चेयरमैन अरुण धूमल ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो को बताया कि बीसीसीआई अगले मीडिया राइट्स चक्र के लिए पूर्ण होम एंड अवे, 94 मैच फॉर्मेट के विस्तार पर गंभीरता से विचार करेगा, जो 2028 में शुरू होगा। वहीं धूमल ने कहा कि, निश्चित रूप से ये एक अवसर हो सकता है। हम आईसीसी से चर्चा कर रहे हैं, हम बीसीसीआई में इन-हाउस चर्चा कर रहे हैं। ये देखते हुए कि द्विपक्षीय और आईसीसी आयोजनों के संबंध में, फ्रेंचाइजी क्रिकेट और टी20 क्रिकेट के संबंध में फैंस की रुचि कैसे बदल रही है, हमें इसके बारे में अधिक गंभीरता से बात करनी होगी और देखना होगा कि हम खेल के हितधारकों के लिए अधिकतम मूल्य कैसे बना सकते हैं।

24 घंटे में भी विराट कोहली से छिन गई ऑरेंज कैप, साई सुदर्शन फिर बने नंबर-1 बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के युवा ओपनर साई सुदर्शन ने 24 घंटे के भीतर विराट कोहली से आईपीएल 2025 ऑरेंज कैप छीन ली है। आरसीबी के स्टार बल्लेबाज कोहली ने रविवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अर्धशतक लगाकर सुदर्शन से ऑरेंज कैप ली थी। सुदर्शन ने सोमवार को जयपुर के मैदान पर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 30गेंदों में 39 रनों की पारी खेली। उन्होंने चार चौके और एक छक्का लगाया। वह भले ही फिफ्टी से चूक गए लेकिन जारी सीजन में फिर से नंबर-1 बल्लेबाज बन गए।

बेहतरीन फॉर्म में चल रहे सुदर्शन ने 9 मैचों में 57.00 की औसत से 456 रन बनाए हैं। 23 वर्षीय खिलाड़ी पांच अर्धशतक लगा चुका है। आईपीएल 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में कोहली दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। उन्होंने 10 मैचों में 63.28 की औसत से 443 रन जुटाए हैं। उन्होंने 6 अर्धशतकीय पारियां खेली हैं। लिस्ट में तीसरे नंबर पर मुंबई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव हैं, जिनके बल्ले से 10 मैचों में 427 रन निकले। उनका औसत 61.00 का है। लखनऊ सुपर जायंट्स का हिस्सा निकोलस पूरन चौथे नंबर पर हैं।

आरआर वर्सेस जीटी मैच की बात करें सुदर्शन ने कप्तान शुभमन गिल के साथ अच्छी साझेदारी की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 93 रन जोड़े। सुदर्शन की पारी का अंत महेश तीक्षणा ने 11वें ओवर में किया। इसके बाद गिल ने जोस बटलर के साथ मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए 74 रनों की पार्टनरशिप की। तीक्षणा ने 17वें ओवर में गिल का शिकार किया, जो सेंचुरी से चूक गए। जीटी कैप्टन ने 50 गेंदों में पांच चौकों और चार छक्कों की बदौलत 84 रन बनाए। गिल पिछले मैच में भी शतक के करीब पहुंचकर आउट हुए थे। उन्होंने केकेआ के खिलाफ 55 गेंदों में 90 रनों की पारी खेली थी।

मैच में चमके वैभव सूर्यवंशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग में गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला 28 अप्रैल को खेला गया। इस मैच में राजस्थान रॉयल्स की वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल ने जिस तरह का शानदार खेल दिखाया उसे देखकर क्रिकेट प्रेमी हैरान रह गए हैं। इस मैच में अगर वैभव और यशस्वी के सामने 250 रनों का लक्ष्य भी होता तो बेहद आसानी से इस लक्ष्य को वह हासिल कर लेते। राजस्थान रॉयल्स गुजरात टाइटंस द्वारा दिए गए 210 रनों का पीछा करते हुए मैदान में उतरी थी। इस मैच में वैभव ने 38 गेंदों में 101 रन बना डाले। वैभव की यह शतकीय पारी बेहद ऐतिहासिक रही जिसमें उन्होंने कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। 38 गेंदों में वैभव ने शतकीय पारी खेली जिसमें उन्होंने 11 छक्के और 7 चौके लगाए। वैभव ने छक्का जोड़कर अपना शतक पूरा किया। इस

दमदार पारी की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने 25 बॉल्स शेष रहते हुए जीत हासिल कर ली।

बता दें कि वैभव ने 17 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। इस अर्धशतक को पूरा करने के लिए उन्होंने तीन चौके और छह छक्के लगाए थे। आईपीएल और टी20 क्रिकेट में अर्धशतक लगाने वाले वैभव सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बन गए हैं। वैभव ने यह अर्धशतक 14 वर्ष और 32 दिन की उम्र में लगा दिया है।

बता दें कि राजस्थान के लिए अर्धशतक लगाने वाली वह दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन गए हैं। इसके साथ ही वैभव टी20 और आईपीएल में सबसे छोटी उम्र में शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने है। इससे पहले यह रिकॉर्ड विजय जोल के नाम था जिन्होंने महाराष्ट्र के लिए 18 साल 118 दिन में शतक लगाया था। वही वैभव ने यह कारनामा महज 14 साल और 32 दिन की उम्र में कर दिया है।

राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज वैभव इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। इस कारनामे को करने के साथ ही उन्होंने यूसुफ पठान का रिकॉर्ड तोड़ दिया है जिन्होंने 37 गेंद में शतक लगाया था। बता दें कि आईपीएल में सबसे तेज शतक लगाने का रिकार्ड वेस्टइंडीज के खिलाड़ी क्रिस गेल के नाम है जिन्होंने 30 गेंद में यह उपलब्धि हासिल की थी। वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में खेलने वाले सबसे कम उम्र के प्लेयर है। उसके साथ ही होने सबसे कम उम्र में प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड भी जीता है।

आईजी और एसपी विवेक सिंह देखने पहुंचे एसजीएमएच

प्रधान आरक्षक के सीने में लगी गोली, हालत गंभीर

मीडिया ऑडीटर, रीवा / सतना (निप्र)। सतना में एक प्रधान आरक्षक को थाने के भीतर घुस कर गोली मार दी गई। सीने में गोली लगने के बाद घायल को देर रात रीवा के संजय गांधी अस्पताल लाया गया। जिसे आईसीयू में रखा गया है। जिसकी हालत लगातार गंभीर बनी हुई है।

मंगलवार दोपहर घायल को देखने के लिए एसपी विवेक सिंह अस्पताल के आईसीयू वार्ड पहुंचे। जहां उन्होंने घायल पुलिसकर्मी से मुलाकात की। एसपी विवेक सिंह ने बताया कि गोली लगने की वजह से तमाम तरह के एहतियात बरते जा रहे हैं। मौके पर सीनियर डॉक्टर्स को बुलाया गया है। गोली कंधे के नीचे और चेस्ट के ऊपरी हिस्से में लगी है। एक इंजरी और है,उसके बारे में यह पता किया जा रहा है कि वो इंजरी कैसे आई। हम स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

जानकारी के मुताबिक, जैतवारा थाना के मुंशी प्रिंस गर्ग ड्यूटी के बाद खाना खाने की तैयारी कर रहे थे। तभी एक नकाबपोश बैरक में घुस गया, इससे पहले कि मुंशी कुछ समझ पाते बदमाश ने कट्टे से गोली चला दी। गोली पुलिसकर्मी के कंधे में लगी है, गोली मारने के बाद नकाबपोश बदमाश मौके से फरार हो गया।

घायल हेड कॉन्स्टेबल को आनन फानन में उनके साथियों द्वारा इलाज के लिए सतना जिला अस्पताल लाया गया, जहां से प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां पर उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

मेहुती गांव निवासीआदर्श शर्मा पर वारदात को अंजाम देने का आरोप है। उधर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें जगह-जगह दबिश दे रही हैं। माना जा रहा है की जल्द ही आरोपी की गिरफ्तारी कर ली जाएगी। हालांकि, पुलिस के व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़ा कर दिया है। ऐसे में जब खाकी वर्दी ही सुरक्षित नहीं है और उन्हें थाने के अंदर घुसकर पुलिस वाले को ही गोली मार दी जाती है तो फिर आम आदमी की सुरक्षा का क्या होगा।

घायल हेड कॉन्स्टेबल के भाई प्रशांत तिवारी ने कहा- बड़े भाई प्रिंस गर्ग यहां दो महीने से पदस्थ हैं। भाई की लोकेशन साहिल त्रिपाठी ने दी और आदर्श ने गोली चलाई। उन्होंने ऐसा क्यों किया, पता नहीं।

मैहर में चलते ट्रक में लगी आग, ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर में एनएच 30 पर मंगलवार शाम एक चलते ट्रक में अचानक आग लग गई। यह घटना एसपी ऑफिस के पास हुई, ट्रक कटनी की ओर जा रहा था। इस दौरान ड्राइवर ने कूदकर अपनी जान बचाई, वहीं दमकल ने बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

ट्रक चालक शुभम चौधरी (24) ने बताया कि वह सतना जिले के कचलोहा नागौद का रहने वाला है। वह केजेएस सीमेंट प्लांट से सीमेंट लोड करके मैहर के रेलवे रैक पर माल उतारने जा रहा था। इस दौरान अचानक ट्रक में आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह जलकर गया। इस दौरान ड्राइवर ने ट्रक से कूदकर अपनी जान बचाई।

स्थानीय लोगों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंची दमकल की टीम ने आग पर काबू पाया, प्रारंभिक जांच में आग का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। ट्रक केजेएस सीमेंट प्लांट से सीमेंट लोड करके मैहर के रेलवे रैक पर माल उतारने जा रहा था। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

प्राचीन मंदिर में हुई तोड़फोड़ से गांव में तनाव

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के सिरमौर थाना क्षेत्र के खरौली गांव में स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में मूर्ती तोड़ने का मामला सामने आया था। सोमवार सुबह गांव के ही युवक ने मंदिर में घुसकर न सिर्फ तोड़फोड़ की बल्कि मंदिर परिसर में स्थापित हनुमान जी की मूर्ति को भी खंडित कर दिया। घटना की जानकारी लगते ही गांव में आक्रोश फैल गया और लोग बड़ी संख्या में मंदिर पर एकत्र हो गए।

सूचना मिलते ही सिरमौर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। ग्रामीणों से पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपी युवक की पहचान सौरभ साकेत के रूप में की, जो नशे का आदी बताया जा रहा है। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह मंदिर वर्षों पुराना है और क्षेत्र के लोगों की गहरी आस्था जुड़ी हुई है। मूर्ति खंडित होने से गांव में तनाव का माहौल बन गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। टीआई जे पी पटेल ने बताया कि घटना का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस में आरोपी युवक को हिरासत में लेते हुए न्यायालय में पेश किया जहां पर आरोपी को जेल भेजा गया है।

बनकुइयां बाईपास में बारातियों से भरी यात्री बस पलटी, कई बाराती घायल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा शहर के चोरहटा थाना क्षेत्र अंतर्गत दुआरी बाईपास से में बारातियों से भरी यात्री बस अनियंत्रित होकर पलट गई है और सड़क से नीचे खाई में जा गिरी। इस दौरान कई बारातियों को चोट आई है। घटना की सूचना पर तत्काल चोरहटा पुलिस मौके पर पहुंची है और चार से पांच एंबुलेंस मौके पर बुलाकर घायलों को उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल भेजा गया। हादसे में कितने लोग घायल हैं अब तक इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। हादसा शाम करीब चार बजे हुआ। बताया जा रहा है कि ग्राम धवैया से शहडोल जा रही बारातियों से भरी यात्री बस अनियंत्रित होकर पलट गई।

सभी किसानों की फार्मर आईडी अनिवार्य रूप से बनाएं

रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने तहसीलदारों को निर्देश देते हुए कहा है कि जिले के सभी किसानों की फार्मर आईडी अनिवार्य रूप से बनाएं। जिले में अब तक एक लाख 51 हजार 72 किसानों की फार्मर आईडी बनाई गई है। शेष किसानों की भी फार्मर आईडी शीघ्र बनवाएं। भारत सरकार की कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की एग्रीस्टेक योजना के तहत किसानों की फार्मर आईडी बनाई जा रही है। इससे प्रत्येक भूमि स्वामी किसान को एक यूनिक आईडी नम्बर प्राप्त होता है। इसके माध्यम से किसानों को सरलता से किसान क्रेडिट कार्ड ऋण तथा अन्य सुविधाएं प्राप्त होंगी। हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ लेने में भी किसानों को सरलता होगी। शेष बचे किसानों की फार्मर आईडी अनिवार्य रूप से बनवाएं। कलेक्टर ने कहा है कि सभी तहसीलदार मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के किसानों की अद्यतन सूची पोर्टल से प्राप्त करके उनमें शेष बचे किसानों की ई केवाईसी कराएं। किसानों के विवरण में राशि के भुगतान के लिए आधार संख्या से जुड़े बैंक खाते की जानकारी दर्ज कराएं। सारा ऐप के माध्यम से हितग्राहियों का सत्यापन करें। साथ ही प्रधानमंत्री किसान पोर्टल पर अपात्र हितग्राहियों की जानकारी भी अपडेट कराएं।

केंद्रीय विद्यालय में 54वां रीजनल स्पोर्ट्स मीट का आयोजन, नेशनल टीम के लिए होगा चयन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। केंद्रीय विद्यालय रीवा में 54वां रीजनल स्पोर्ट्स मीट का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक -1 को खो-खो प्रतियोगिता के अंडर 14 और अंडर 17 बालिका वर्ग के लिए इस आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्राचार्य महालक्ष्मी पांडेय ने जानकारी देते हुए बताया कि आयोजन मे जबलपुर संभाग के 50 विद्यालयों में से 14 विद्यालयों के 200 से ज्यादा छत्राएं यहां आई हैं। जो इस आयोजन में पार्टिसिपेट कर रही हैं। कुल 17 टीम आई हुई हैं, जिनमें से 10 टीमें अंडर 14 और 7 टीमें अंडर 17 की हैं। ये बच्चे तीन दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। इस प्रतियोगिता के जरिये नेशनल टीम का चयन किया जायेगा। इस आयोजन को लेकर विद्यालय के स्पोर्ट टीचर करण सिंह ने कहा कि हमारा प्रयास है कि इस तरह के आयोजन के जरिये बच्चों को खेल मैदान से जोड़े रखें।

रीवा और सतना में बारिश और ओलावृष्टि से गिरा तापमान

मीडिया ऑडीटर, रीवा/सतना (निप्र)। मौसम अचानक बदल गया। मंगलवार शाम 4 बजे तेज धूप के बीच घुप्प अंधेरा छा गया। इसके बाद गरज के साथ चना के आकार के ओले गिरने लगे। बारिश और ओलावृष्टि से तापमान में गिरावट आई। जिले के रामपुर बघेलान में सबसे ज्यादा ओले गिरे।

करीब आधे घंटे के बाद फिर से धूप निकल आई। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार हल्की बारिश और ओलावृष्टि के बाद धूप निकलने से वातावरण में उमस बढ़ सकती है। राजस्थान और उत्तरी-पश्चिमी मध्य प्रदेश में हवा में ऊपरी चक्रवात बनने से यह मौसमी बदलाव हुआ है।

विशेषज्ञों के मुताबिक इसी तरह का मौसम 5 मई तक बना रहेगा। इस दौरान गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवाएं चल सकती हैं। तेज हवाओं और बारिश के कारण शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित हुई। बिजली सप्लाई बहाल करने में मेंटेनेंस स्टाफ को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

जलती आग में थिनर की बोतल उड़ेलने से झुलसा युवक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के निराला नगर में मंगलवार सुबह जलती आग में थिनर डालने से एक युवक 60 प्रतिशत तक झुलस गया। घायल युवक को एक निजी अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है।

घायल युवक के भाई अभिमन्यु सिंह बघेल ने बताया कि उनका भाई अमित सिंह निराला नगर में एक मकान की देखरेख का काम कर रहा था। मिट्टी की पटाई के लिए उपयोग किए जाने वाले लोहे के धुरमुस में लगी लकड़ी टूट गई थी। टूटी लकड़ी को निकालने के लिए उसमें आग लगाई गई। इसी दौरान विवेक साहू ने जलती आग में थिनर की पूरी बोतल उड़ेल दी, इसके बाद निकली आग की तेज लपटों से अमित बुरी तरह झुलस गया। अस्पताल के डॉक्टर विवेक ने बताया कि गंभीर जलन के कारण युवक को बर्न वार्ड में रखा गया है और उसके स्वस्थ होने में लगभग दो माह का समय लग सकता है।

विश्वविद्यालय थाना पुलिस ने घायल युवक की मेडिको लीगल केस (एमएलसी) रिपोर्ट दर्ज कर ली है और इसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बाल संरक्षण आयोग के साथ विभागीय समन्वय बैठक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बाल संरक्षण आयोग के सदस्य ओंकार सिंह एवं निवेदिता शर्मा के साथ बालकों के हित में कार्य करने वाले विभिन्न विभाग जैसे महिला एवं बाल विकास, पुलिस स्वास्थ्य, शिक्षा, श्रम, ट्राईबल, बाल कल्याण समिति एवं जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड की समन्वय बैठक का आयोजन किया गया।बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में आयोग के सदस्यों ने कहा कि जिले को चाइल्ड लेबर मुक्त एवं बाल भिक्षामुक्त बनाया जाए। यह देखें कि किसी भी बच्चे का बाल विवाह तो नहीं हो रहा है। आयोग ने यह भी कहा कि जितने भी पोक्सो के गवाह हैं उन सभी को सपोर्ट पर्सन अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाए एवं उन सभी प्रकरणों को बाल कल्याण समिति के समक्ष भी प्रस्तुत किया जाए। बैठक में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, एडिशनल एसपी विवेक लाल जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रतिभा पांडे, सीएमएचओ संजीव शुक्ला, जिला संयोजक कमलेश्वर सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी सुदामालाल गुप्ता, बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष डॉ, मीना मिश्रा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सतना में नरवाई जलाने पर 107 किसानों पर एफआईआर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में नरवाई जलाने पर 27 गांवों के 107 किसानों पर मामले दर्ज किए गए हैं। प्रशासन ने इन किसानों पर 6 लाख 70 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस. के सख्त आदेश के बावजूद नागौद ब्लॉक में 110 मामलों में आगजनी की घटनाएं सामने आई हैं। रीवा संभाग में नरवाई जलाने के मामलों में सतना जिला पहले स्थान पर है।

नागौद एसडीएम जितेन्द्र वर्मा ने 1 अप्रैल से 26 अप्रैल तक जिले में हुई सभी घटनाओं की जांच कर रिपोर्ट टीआई अशोक पांडेय को सौंपी। रिपोर्ट के आधार पर 107 किसानों पर एफआईआर और 6.70 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। जवाब देने की तारीख 29 अप्रैल और 1 मई तय की गई है।

कोटर थाना क्षेत्र के गोरइया गांव में किसान इंदू प्रजापति ने खेत की नरवाई जलाई, जिससे आग फैलकर पड़ोसी नंदलाल केवट की फसल को चपेट में ले गई। पूरी फसल जलकर राख हो गई। पीड़ित की शिकायत पर बीएनएस की धारा 223 और 324(4) के तहत मामला दर्ज।

नरवाई जलाने पर रोक के आदेश के पालन में लापरवाही बरतने पर जिला पंचायत ष्टश्वह संजना जैन ने कलबलिया के सचिव सोनेलाल रवि और पुतरीचुआ के सचिव दिनेश गौतम को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। दोनों पर आरोप है कि इन्होंने किसानों को रोका नहीं, न कोई जागरूकता चलाई, न थाने या अधिकारियों को जानकारी दी। दोनों सचिवों को 15 दिन में जवाब देना होगा।

जिले में अब तक समर्थन मूल्य पर 53329.4 टन हुई गेंहू की खरीद

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। किसानों को उनकी उपज का अधिकतम मूल्य देने के लिए निर्धारित समर्थन मूल्य पर पंजीकृत किसानों से गेंहू का उपार्जन किया जा रहा है। अब तक 9773 किसानों से 53329.4 मीट्रिक टन गेंहू का उपार्जन किया गया है। गेंहू उपार्जन की अंतिम तिथि 5 मई है। इस संबंध में जिला आपूर्ति अधिकारी कमलेश तांडेकर ने बताया कि उपार्जित गेंहू में से 25713.57 टन गेंहू का परिवहन करके सुरक्षित भण्डारण कराया जा चुका है। अब तक किसानों को 129 करोड़ 32 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। गेंहू उपार्जन के लिए अब तक 15714 किसानों ने स्लॉट बुक किए हैं। स्लॉट बुक करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल है।

अरहर उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन अब 15 मई तक

रीवा (निप्र)। शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य 7550 रुपए प्रति क्विंटल पर जिले भर में अरहर का उपार्जन किया जाएगा। खरीफ वर्ष 2024-25 में ई उपार्जन पोर्टल पर अरहर (तुअर) फसल के उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन 15 मई तक होगा। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा है कि उपार्जन के लिए किसान ई उपार्जन पोर्टल में अपना पंजीयन 15 मई से पहले करा लें। सभी सहकारी समिति प्रबंधक तुअर उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन सुनिश्चित करें।

जिला नजूल निर्वर्तन समिति की बैठक एक मई को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन की अध्यक्षता में जिला नजूल निर्वर्तन समिति की बैठक एक मई को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई है। बैठक में शासकीय नजूल भूमि आवंटन संबंधी प्रकरणों का निराकरण किया जायेगा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।